वार्तालाप-591, बड़ौदा (गुजरात), दिनांक 26.06.08
Disc.CD No.591, dated 26.06.08 at Baroda (Gujarat)
Extracts-Part-1

समयः 04.26-05.45

जिज्ञासुः बाबा, एक अव्यक्त वाणी में बोला है कि आप भी देखेंगे और बाप भी देखेंगे।

बाबाः हाँ। क्या? किस संबंध में बोला?

जिज्ञासुः जो समय आने वाला है उसमें आप भी देखेंगे और बाप भी देखेंगे।

बाबाः ठीक है। बाप माने प्रजापिता, और आप भी देखेंगे।

जिज्ञासुः आप माने ब्रह्मा बाबा?

बाबाः ... वो तो है ही नहीं शरीर उनका।

जिज्ञासु: 16.04.2008 की जो अव्यक्त वाणी है उसमें बताया कि मम्मा-बाबा...

बाबा: जिस समय बाबा जीवित थे तो मम्मा, ओम राधे मम्मा और बाबा, दादा लेखराज, दोनों को वारिस बनाने वाले कोई बच्चे नहीं होंगे?

जिज्ञासु: थे, तब ही तो...

बाबा: इसलिए तो बोला - ऐसा पुरुषार्थ करना जो मम्मा बाबा आके तुम्हारे वारिसदार बनें। माना ब्रह्मा-सरस्वती भी तुम्हारे बच्चे बन जाएं आ करके नई दुनियाँ में।

Time: 04.26-05.45
Student: Baba, it has been said in an avyakt vani that you will see and the Father will also see.
Baba: Yes. What? In what context was it said?
Student: In future, you will see and the Father will also see.
Baba: It is correct. Father means Prajapita. And you will also see.
Student: Does 'you' refer to Brahma Baba?
Baba: … His body does not exist at all.
Student: In the avyakt vani of 16.04.2008 it has been mentioned that Mamma Baba…
Baba: When Baba was alive, then Mamma, Om Radhey Mamma and Baba, Dada Lekhraj; would there not be some children who make both of them their heirs?
Student: They were certainly there, only then…
Baba: This is why it was said: You should make such *purushaarth* that Mamma and Baba become your heirs. Meaning Brahma and Saraswati should also become your children in the new world.

समयः 07.30-09.12

जिज्ञासुः बाबा, बी.के में सेवा करने के लिए जाते हैं तो बोलते हैं कोई ऐसी बहन हो तो उनके द्वारा कोई क्लास चलता हो तो... आपका क्लास तो चलता नहीं।

बाबाः कहाँ?

जिज्ञासुः अहमदाबाद में।

बाबाः अहमदाबाद में कोई क्लास नहीं चलता?

जिज्ञासुः ऐसी कोई बहन नहीं है जो क्लास, कोर्स करा सके।

बाबाः कन्याओं में से कोई कन्या ऐसी हो जो कोर्स करा सके। अहमदाबाद की मुख्य कन्या मालूम है कौन है? कौन है?

जिज्ञासु: छोटी माँ।

बाबा: फिर? लास्ट सो फास्ट निकल पड़ेगा।

दूसरा जिज्ञासुः अहमदाबाद वाली आत्माओं के लिए बहुत फायदामंद साबित हो जाएगा।

बाबाः फायदेमंद बात है ना। बाबा ने तो स्पष्ट और बोल भी दिया - विजयमाला का आवाहन करो।

Time: 07.30-09.12
Student: Baba, when we go to the BKs to serve them, they say that there should be a sister who can conduct classes...You don't conduct any classes like this.
Baba: Where?
Student: In Ahmedabad.
Baba: Is no class conducted in Ahmedabad?
Student: There is no such sister who could take classes or give course.
Baba: From among the virgins there should be such a virgin who can give the course. Do you know who the main virgin of Ahmedabad is? Who is it? (Student: The junior mother.) Then? She will come in the last and gallop fast.
Another student: It will prove very beneficial for the souls of Ahmedabad.
Baba: It is beneficial, isn't it? Baba said it even more clearly: Invoke the *Vijaymaalaa*[1].

दूसरा जिज्ञासुः फिर छोटी माँ अहमदाबाद में आकरके सेवा जोर-शोर से शुरु कर देगी आगे चल करके।

जिज्ञासुः महाराष्ट्र में चित्र सहित एक बुक निकाला। उसमें फोटो सहित दे दिया।

बाबाः तो? वो गलत है बात?

जिज्ञासुः गलत तो नहीं है।

बाबाः लेकिन फोटो से प्रत्यक्षता नहीं होती है। क्या? काहे से प्रत्यक्षता होगी? तुम्हारे चलन और चेहरे से, दृष्टि से, वृत्ति से प्रत्यक्षता होगी या फोटो छपा देने से प्रत्यक्षता हो जाएगी?

जिज्ञासु: चाल चलन से...

बाबा: हाँ, जी।

Another student: Then the junior mother will come to Ahmedabad and start the service vigorously in future.
Student: A book has been brought out with pictures in Maharashtra. They have given photographs in that.
Baba: So? Is that wrong?
Student: It is not wrong.
Baba: But revelation does not take place through photographs. What? How will the revelation take place? Will the revelation take place through your behavior, your face, your vision, your vibrations or will the revelation take place by publishing photographs?
Student: through the behavior…

[1] The rosary of victory

Baba: Yes.

समयः 09.15-09.59

जिज्ञासुः बाबा मुरली में बोला है कि गोपियों को भगाया, मक्खन चुराया। सारी कहानी है प्रजापिता की।

बाबाः प्रजापिता की कहानी है।

जिज्ञासुः लेकिन नाम डाल दिया कृष्ण का।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः और फिर ऐसे भी बोला है शंकर का...।

Time: 09.15-09.59
Student: Baba it has been said in the murli that making the *gopis* to run away, stealing butter. The entire story is of Prajapita.
Baba: It is the story of Prajapita.
Student: But the name of Krishna has been inserted.
Baba: Yes.
Student: And then it has also been said that Shankar...

बाबाः ब्रह्माकुमारियाँ क्या समझती है? ब्रह्माकुमारियाँ तो यही समझती हैं कि दादा लेखराज ने ही ये सारा कार्य कराया।

जिज्ञासुः और ऐसे भी बोला है कि शंकर का तो साक्षात्कार होता है। तो फिर यज्ञ की आदि में ब्रह्मा बाबा का अट्रैक्शन क्यों हुआ?

बाबाः यज्ञ की आदि में ब्रह्मा बाबा का अट्रैक्शन हुआ?

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा को देख देख करके भागे ना।

बाबाः ये तो एड्वर्टाइजमेंट किया गया है। (किसीने कुछ कहा।) हाँ, जी। मुरली क्या कहती है? और देहधारी गुरु लोग क्या कहते हैं? मुरली तो ये कहती है कि ये सारी कथा-कहानी है प्रजापिता ब्रह्मा की। नाम डाल दिया है कृष्ण का। कृष्ण माने कृष्ण उर्फ ब्रह्मा का।

Baba: What do the Brahmakumaris think? The Brahmakumaris think that it was Dada Lekhraj himself who enabled all these tasks.
Student: And it has also been said that you have the visions of Shankar. Then, in the beginning of the *yagya* why was there the attraction of Brahma Baba?
Baba: There was Brahma Baba's attraction in the beginning of the *yagya*?
Student: They ran away [from their homes] on seeing Brahma Baba, didn't they?
Baba: This has been advertised. (Student said something.) Yes. What does the murli say? And what do bodily gurus say? Murli says that this entire story pertains to Prajapita Brahma. The name of Krishna has been inserted. Krishna, i.e. Krishna alias Brahma.

समयः 10.02-11.22

जिज्ञासुः और बाबा, त्रिमूर्ति का चित्र है। उसमें जो साइड में गोला दिखाया गया है। वहाँ पे चार कुमार और चार कुमारी दिखाई गई हैं।

बाबाः हाँ जी।

जिज्ञासुः और जो सीढ़ी का चित्र है उसमें चार कुमार और तीन कुमारीयाँ दिखाई गयी है। तो इसका अंतर क्या है?

बाबाः इसका अंतर ये है कि वो संगमयुग में ही दिखाया गया है। नई दुनियाँ ब्रहमा की तरफ और पुरानी दुनियाँ का विनाश शंकर की तरफ। जहाँ विनाश होना है वहाँ जो कम पुरुषार्थी हैं उनका विनाश नहीं होगा? क्रिश्चियन धर्म है। और क्रिश्चियन धर्म में कौनसा पूजा का स्थान माना जाता है? (जिज्ञासु - गिरजाघर।) गिरजाघर। गिरजाघर नाम क्यों पड़ा?

जिज्ञासुः भगवान का बना बनाया घर तू गिर जा।

बाबा: कोई तो ऐसी आत्माएं निकली होंगी ना जिन्होंने उल्टे संकल्प चलाए होंगे, ईश्वरीय कार्य में। ईश्वर का सहयोगी बनना चाहिए या ईश्वर का विरोधी बनना चाहिए संकल्पों से? संकल्पों से भी, तन से भी, मन से भी, धन से भी सहयोगी बनना चाहिए। विरोधी बन गया। तो भगवान का घर बिगाड़ेगा, उसका अपना घर रह जाएगा? घर किसे कहा जाता है? ईंटों को घर कहा जता है या गृहिणी को घर कहा जाता है?

जिज्ञासु: गृहिणी को।

बाबा: गृहिणी को ही घर कहा जाता है।

Time: 10.02-11.22

Student: Baba, in the picture of the Trimurty a sphere has been shown on the side. Four *kumaars* (bachelors) and four *kumaaris* (virgins) have been depicted there.

Baba: Yes.

Student: And in the picture of the Ladder, four *kumaars* and three *kumaaris* have been depicted. So, what is the difference?

Baba: Its difference is that [the former] has been shown in the Confluence Age itself. The new world [is shown] towards Brahma and the destruction of the old world [is shown] towards Shankar. Will not the less *purushaarthis* (those who make spiritual effort) be destroyed towards the side where destruction is to take place? There is Christianity. What is considered to be the place of worship in Christianity?

Student: *Girijaaghar,* i.e. Church.

Baba: *Girijaaghar*. Why was it named *Girijaaghar*?

Student: O God's readymade home (*ghar*), fall down (*gir jaa*).

Baba: There must have been such souls who must have created opposite thoughts in the work of God. Should we become the helpers of God or should we become the opponents of God through thoughts? We should become helpers through the thoughts, through the body, through the mind and through the wealth as well. He became an opponent. So, if he spoils God's home, then will his own home survive? What is called a home? Are bricks called home or is the housewife called home? (Student: The housewife.) The housewife herself is called a home.

समयः 11.25-12.50

जिज्ञासुः मुरली में बोला है ना ईश्वर से सच्चा योग है तुम्हारा, तुम हो योगेश्वर। ऐसा बाहर की दुनियाँ में जो पांडुरंग आठवले हैं उनका ग्रुप है, उपाध्याय परिवार वाले पाँडुरंग आठवले....

बाबाः पाँडुरंग? हाँ, जी।

जिज्ञासुः मुरली में बोला है ईश्वर से सच्चा योग है तुम्हारा। तुम हो योगेश्वर।
बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः वो तो बात एक ही हो गई। प्रजापिता के लिए बात हो गई ना।
बाबाः हाँ, तो?
जिज्ञासुः टैली हो गया ना मुरली से।
बाबाः पाँडुरंग से क्या बात बैठाई?
जिज्ञासुः .... योगेश्वर कहते है। और यहाँ हमारे पास भी योगेश्वर।
बाबाः वो तो प्रैक्टिकल होना चाहिए ना। जिनको योग सिखाया गया, उन योगियों को योग सिखाने वाला, शासन करने वाला... ईश माना शासन करने वाला। वर माने श्रेष्ठ। शासन करने वालों में, योगियों को शासन करने वालों में जो श्रेष्ठ है वो योगीश्वर है। है तो शिवबाबा। प्रजापिता के लिए थोड़े ही कह सकते हैं।

Time: 11.25-12.50
Student: It has been said in the murli that you have true yoga with God; you are *yogeshwar*. There is a group of Pandurang Aathawle in the outside world, the Pandurang Aathawle from Upadhyay family …
Baba: Pandurang? (Students are saying something.) Yes.
Student: It has been said in the murli that you have true yoga with God. You are Yogeshwar.
Baba: Yes.
Student: That is one and the same. It is about Prajapita, isn't it?
Baba: Yes, so?
Student: It tallies with the murli, doesn't it?
Baba: How did you tally it with Pandurang?
Student: They say Yogeshwar…. And here, we have Yogeshwar too.
Baba: That should be in practice, shouldn't it?
Student: He is the lord of the yogis, isn't he?
Baba: Yes. Those who were taught yoga; the one who taught yoga to those *yogis*, the one who governs [them]... *iish* means governor. *Var* means elevated. The one who is elevated among the governors, among those who govern the *yogis* is Yogishwar. It is indeed Shivbaba. This cannot be said for Prajapita. … (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 12.55-13.45

जिज्ञासुः बाबा, द्वापरयुग से जो देवता धर्म है, वो ऐकेश्वरवाद से निकलकर अनेकतावाद में फंस गया।

बाबाः उसका नाम ही क्या पड़ा? उसका नाम ही है द्वापर। द्वैतवाद चल गया।

जिज्ञासुः हाँ, बराबर है। लेकिन जो इस्लाम धर्म में वो अनेकतावाद से एकतावाद में चला गया। मगर जो भारतीय धर्म हैं वो ऐकेश्वरवाद से अनेकतावाद में चला गया।

बाबाः इस्लाम धर्म कहाँ एकता में चला गया? उसमें भी तो शिया, सुन्नी निकल पड़े। उसमें से, इस्लाम धर्म से मुहम्मद निकल पड़े जिन्होने मुर्तियों को तुडवा दिया। हर धर्म में द्वैतवाद चल

पड़ता है। ऐसा एक भी धर्म नहीं है जिसमें द्वैतवाद न हो। द्वापरयुग मतलब ही है द्वैतवाद। अद्वैत होते हैं देवताएं। अद्वैत, किसी दूसरे को न मानने वाले। एक बाप दूसरा न कोई।

Time: 12.55-13.45
Student: Baba, the Deity religion changed from being a worshipper of one God to a worshipper of many Gods.
Baba: What was its very name? Its very name is *Dwapar*. Dualism started.
Student: That is correct. But the Islam religion changed from being a believer in multiple gods (*anektaavaad*) to believer in single God (*ektaavaad*). But the Indian religions changed from *ektaavaad* to *anektaavaad*.
Baba: The Islam religion did not adopt *ektaa*. Even in that Shias and Sunnis[2] emerged. From it emerged Mohammad, who established the Muslim religion. Dualism starts in every religion. There is no religion in which dualism does not exist. The meaning of *Dwaparyug* (Copper Age) itself is dualism. Deities are non-dualistic. *Adwait* [meaning] those, who do not believe in anyone else. One Father and no one else.

समयः 13.50-14.50
जिज्ञासुः बाबा, बात चल रही थी कि बाबा आने वाले हैं एक बजे या तीन बजे.... गीता पाठशाला की माता ने बताया तो सबको फिर बाद में खाना खिलाया। तो क्या बाप कभी बच्चों को भूखा रखता है क्या?
बाबाः बाबा ने ये कह दिया तुम खाना नहीं खाओ?
जिज्ञासुः मैंने वो ही बताई बात कि बाबा ने तो कभी ऐसा किया नहीं। ये तो अपनी मनमत है ना।
बाबाः बाबा तो कहते हैं तुम जितनी मेरी याद में रहते हो उतना मैं तुम्हारे साथ हूँ। क्या? जितना तुम मेरी याद में रहते हो, उतना मैं तुम्हारे साथ हूँ। तो बाबा की याद में रह करके खाएंगे तो बाबा के साथ खाना खाना नहीं हुआ? फिर काहे के लिए सारा दिन भूखों मरना? बाबा की याद में बनाना, बाबा की याद में खाना, बाबा की याद में खिलाना। साकार का... अभी अव्यक्त स्टेज वाली बात तो सबको भूल गई।

Time: 13.50-14.50
Student: Baba, it was being discussed that Baba is going to come at 1 PM or 3 PM… The mother at the *gitapaathshaalaa* said so. Then everyone was served food later. So, will a father ever keep his children hungry?
Baba: Did Baba say that do not eat food?
Student: I said the same thing that Baba has never done so. This is your own mind's opinion.
Baba: Baba indeed says: The more you remain in my remembrance, the more I am with you. What? The more you remain in my remembrance, the more I am with you. So, if you eat in Baba's remembrance, then is it not like eating with Baba? Then why should you die of hunger throughout the day? Cook in Baba's remembrance; eat in Baba's remembrance; serve in Baba's remembrance. The corporeal… everyone has forgotten about *avyakt* stage now.

[2] Sects of the Muslim religion

समयः 14.55-17.27

जिज्ञासुः बाबा, माउन्ट आबू में वेदान्ती बहन को परिचय दिया हमने बाबा का।

बाबाः परिचय दिया? हां।

जिज्ञासुः और वीरेन्द्र देव दीक्षित में फर्रूखाबाद में सुप्रीम सोल का साकार में पार्ट चल रहा है।

बाबाः किसने दिया?

जिज्ञासुः मैंने दिया ....।

बाबाः ऐसे कहने से, डफली बजाने से कोई परिचय हो जाता है? कोई प्रूफ देंगे तभी तो कोई मानेगा। बिना प्रूफ प्रमाण के कैसे कोई मानेगा?

जिज्ञासुः एड्रेस दे दिया।

बाबाः एड्रेस देने से कोई नहीं मानेगा कि ये एड्रेस है, ये भगवान आया हुआ है। ऐसे डफली बजाने वाले ढ़ेर सारे होते हैं।

जिज्ञासुः ईमेल में मुरली भेज देने को बोला है।

Time: 14.55-17.27
Student: Baba, I gave the introduction of Baba to sister Vedanti at Mount Abu.
Baba: Did you give the introduction? Yes.
Student: [I told her:] the Supreme Soul is playing His part in a corporeal form through Virendra Dev Dixit in Farrukhabd.
Baba: Who gave [the introduction]?
Student: I gave …
Baba: Can introduction be given by telling [them] this, by beating the drum? Someone will believe only when you give some proof. How will someone accept without proofs?
Student: I gave the address.
Baba: Nobody will believe if you give the address that this is the address and that God has come. There are many who beat the drums like this.
Student: They told me to send the murli through email.

बाबाः नहीं। ये तरीका नहीं है। ज्ञानी तू आत्मा का मतलब है ज्ञान के आधार पर, प्रूफ और प्रमाण के आधार पर बात को समझाना जिसका कोई जवाब न दे सके। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) वो गलत बात है। ऐसे ही चित्र छपा दिये। ये तो वो ही बात हो गई जैसे वो किताब छपा दी, चित्र बना दिया। उसमें दिखा दिया। किताब में ऊपर चित्र दिया हुआ है कुछ और, अन्दर मैटर दिया हुआ है कुछ और। किसी को क्या समझ में आएगा?

जिज्ञासुः मुरली ईमेल में भेजने को बोला है।

बाबाः मुरली भेजना, मुरलियों में भी ईमेल करना, ये लिट्रेचर तो वहाँ बहुत पहुँच चुका है पहले से ही। सन् 73 से ही लिट्रेचर पहुँचाया जा रहा है। अभी की बात थोड़े ही है। मुरली में जब से बाबा ने बोला है कि ये चार चित्रों पर मनन-चिंतन-मंथन अमृतवेले बैठकर के करना चाहिए जो मंथन में नई-नई बातें निकलें वो हैड आफिस में लिख करके भेजो। बाबा तो विहंग मार्ग की सर्विस बताते हैं। उसी समय से रजिस्टर्ड पोस्ट से सारा एडवांस ज्ञान भेजा जा रहा है।

जिज्ञासुः लास्ट में ज्ञान मान लिया।

बाबाः मान लिया?

जिज्ञासुः मान लिया।

Baba: No. This is not the way. Knowledgeable soul means to explain any topic on the basis of knowledge, on the basis of proofs, which cannot be answered by anyone else. (Student said something.) That is wrong. They simply published the pictures. It is just like they published that book, those pictures. They depicted [the pictures] in that. There is some other picture on the cover page of the book and there is some other matter inside. What will someone understand?
Student: I have been asked to send the murli through email.
Baba: To send the murli, to send murlis through email; a lot of this literature has reached there already. Literature is being sent [there] since the year 73. It is not about now. Ever since Baba has said in the murli that you should think and churn on these four pictures at *amritvela*[3] and whatever new topics emerge through the churning send it to the head office in writing. Baba tells [you to do] the service in a big way. It is from that time that the advance knowledge is being sent [there] through registered post.
Student: She accepted at last.
Baba: She accepted it?
Student: She accepted.

बाबाः हाँ, फिर क्या हुआ?

जिज्ञासुः एड्रेस दिया। …

बाबाः फिर हेडक्वार्टर से बंधे हुए हैं।

जिज्ञासुः ईमेल से मुरली भेज देने को बोला है।

बाबाः ये तो वो ही बात हो गई। जैसे कुमारिका दादी के सामने कलकत्ते के रवीन्द्र भाई पहुँचे, कम्पिल में भट्ठी करने के बाद और कुमारिका दादी से कहा - दादी, ये तो सारा का सारा ब्रह्माकुमारी आश्रम कनवर्ट हो जाएगा एक दिन शंकर पार्टी में। तो दादी कहती है - जगदीश भाई से बात करो। तो ऐसे ही उन्होंने कह दिया - हेड आफिस में सारा लिख करके भेजो। माना हेड आफिस के अधीन हो गए।

Baba: Yes, what happened after that?
Student: I gave her the address. …
Baba: Then? She is bound by the Headquarters.
Student: She asked me to send the murli through email.
Baba: It is the same thing. For example, Ravindra bhai of Calcutta came in front of Kumarika Dadi after undergoing the *bhatti* at Kampil. And he told Kumarika Dadi: Dadi, one day this entire Brahmakumari Ashram will convert into Shankar Party. Then Dadi says: Talk to Jagdish bhai. So, similarly she (sister Vedanti) said: write and send everything to the head office. It means that she came under the control of the head office.

[3] Early morning hours

समयः 17.34-18.18

जिज्ञासुः अच्छा बाबा, अब जो कैसट चल रहा है, सन्मुख ... टी.वी में प्रोग्राम आता है जागरण चैनल इसमें हमारी कैसटें नहीं आती? बीच में मैं दिल्ली में गया था तो बताया था कि चैनल पे एक दो घण्टे आता है बाबा का। कैसट दिखाते हैं।

बाबाः लोकल चैनल पे दे दे। ये तो बड़ी बात नहीं। बड़े-बड़े चैनल वाले तो पैसे मांगते हैं। आस्था चैनल में, संस्कार चैनल में अगर तुम्हें देना है तो लाखों रुपया दो उनको तो डाल देंगे।

Time: 17.34-18.18

Student: OK Baba, are any of the cassettes, CDs which are being narrated face to face being transmitted as programs on any of the channels like Jagran? I had been to Delhi in between; I was told that Baba's class is shown on a channel for one or two hours. They show the cassettes.

Baba: You can transmit it on the local channels. This is not a big deal. Those running big channels seek money. If you wish to broadcast [classes] through Aastha channel, Sanskar channel, then they will broadcast if you give them lakhs of rupees.

समयः 18.25-19.25

जिज्ञासुः मुरली में बाबा ने कहा है कि विश्व का मालिक विश्व पे राज्य कैसे करेगा? जैसे बड़ौदा वाला बड़ौदे पे राज्य करेगा। जैसे बड़ौदे वाला बड़ौदे पर राज्य करेगा वैसे ही विश्व का मालिक विश्व पे राज्य करेगा।

बाबाः वो तो है हद का बड़ौदा। और एक है बेहद का बड़ौदा - बड़ा दा। माना जो बड़ों-बड़ों को निकाल कर इस संसार में दे दे। ये हैं बड़े-बड़े। वो हो गया बड़ौदा। बड़े-बड़े कितने हैं जो हर धर्म में पूजे जाते हैं, माने जाते हैं, सिमरण किये जाते हैं? वो माला है। 108 की जो माला है वो ही बड़े-बड़े हैं। उन बड़ों-2 को निकाल करके संसार के सामने पेश कर देता है। वो हो गया बड़ौदा। बड़ौदा की महारानी का भी जिकर आया है।

Time: 18.25-19.25

Student: Baba has said in the murli that how will the master of the world rule over the world? Just like the one from Baroda rules over Baroda. Just as the one from Baroda rules over Baroda, the master of the world will rule over the world.

Baba: That is Baroda in a limited sense. And one is Baroda in an unlimited sense. *Bara da*. It means that the one who gives (*de-de*) the big ones (*baron-baron*) to this world. These are the big ones. That is Baroda. How many are the big ones, who are worshipped, accepted [and] remembered in every religion? It is a rosary. The ones in the rosary of the 108 are the big ones. He makes those big ones to emerge and presents them to the world. He is Baroda. There is a mention about the Queen of Baroda as well. … (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 21.22-22.34

जिज्ञासुः बाबा, रावण के जो दस मुख दिखाए गए हैं उसमें जो राइट साइड में वायु देवता, अग्नि देवता, जल देवता कहा जाता है। लेकिन जो लेफ्ट साइड है, उसमें क्रोध देवता नहीं कहा जाता है। लेकिन काम देवता कहा जाता है।

बाबा: ठीक है।

जिज्ञासु: तो काम देवता क्यों है?

बाबाः क्योंकि कामी कुत्ता पाण्डवों के साथ जाता है। क्या? पाण्डवों ने जब स्वर्गारोहण किया तो उनके साथ कौन गया? कुत्ता भी साथ में गया। वो फाउन्डेशन है। कामदेव स्वर्ग में अगर न जाए तो नई संतति कहाँ से पैदा होगी? देवताओं की पैदाइश कहाँ से होगी? इसलिए बोला है होई है कामोनंग। काम देव तो होगा सतयुग में, सतयुग, त्रेता में लेकिन अनंग होगा। वो अंग नहीं होगा जो काम की मार करने वाला है। इसलिए बोला है कि कामदेव सतयुग में होता है। ऐसे नहीं कि नहीं होता।

Time: 21.22-22.34

Student: Baba, ten heads of Ravan have been depicted; [the heads] on the right side are called the deity of wind, the deity of fire, the deity of water. But among the heads on the left side it is not said the deity of anger, it is said *Kaam dev*[4].

Baba: It is correct.

Student: So, why is lust a deity?

Baba: It is because the lustful dog goes with the Pandavas. What? Who went with the Pandavas when they ascended to heaven? A dog accompanied them as well. That is the foundation. If the deity of desires does not go to heaven, how will the new progeny be born? How will the deities be born? This is why it has been said that lust will be without organ *(hoi hai kaamoanang)*. The deity of desire will definitely exist in the Golden and Silver Age, but it will be without organs. That organ (*ang*) which causes the attack of lust will not exist. This is why it has been said that the deity of desires exists in the Golden Age. It is not that it does not exist there.

समयः 22.35-28.55

जिज्ञासुः बाबा, जो टेलीविजन पर काफी दिखाते हैं कि 2012 में विनाश होगा।

बाबाः भट्ठी करने के बाद अब ये कैसटें लगातार नहीं सुन रहे। इसका जवाब कई बार दे दिया है कि वैज्ञानिकों ने जो शोध की है, कि 2012 के बाद कोई तवारीख नहीं होगी। दुनियाँ का विनाश हो जावेगा और पृथ्वी की धुरी बदल जाएगी। लेकिन उनको पता ही नहीं है कि दुनियाँ के हर काम की शुरुआत पहले सूक्ष्म से होती है। पहले संकल्पों से सृष्टि रची जाती है और बिगाड़ी जाती है या पहले स्थूल में सृष्टि रची जाती है और बिगाड़ी जाती है? ये सूक्ष्म में संकल्पों से सृष्टि रचना और सृष्टि के बिगाड़ने का काम 76 से ब्राह्मणों की दुनियाँ में शुरु हो चुका है। इस ब्राह्मणों की दुनियाँ में जो पृथ्वी माता का पार्ट बजाने वाली चैतन्य आत्मा है वो अभी

[4] The deity of desires

आसुरी संस्कार वालों के तरफ झुकी हुई है। पृथ्वी को झुका हुआ दिखाते हैं ना। 2012 में वो आत्मा दैवी संस्कारों की तरफ झुक जाएगी। पृथ्वी की धुरी चेंज होने वाली है। ये विनाश होगा। स्थूल विनाश दुनियाँ का अभी होने वाला नहीं है।

Time: 22.35-28.55
Student: Baba, it is often shown on the television that destruction will take place in 2012.
Baba: You are not listening to the cassettes regularly after doing *bhatti*. This question has been answered many times that whatever research the scientists have done that there will not be any date after 2012, the world will be destroyed and the axis of the Earth will change. But they do not know that every task of the world starts in a subtle form first. Is the world created and destroyed through the thoughts first or is it created and destroyed in the physical form first? This task of the creation and destruction of the world in the subtle form through thoughts has started from 1976 in the world of Brahmins. The living soul that plays the role of Mother Earth in the world of Brahmins is inclined towards those with demoniac *sanskars*. The Earth is shown to be inclined, isn't it? That soul will incline towards divine *sanskars* in 2012. The axis of the Earth is going to change. This destruction will take place. The physical destruction of the world is not going to take place now.

बाहर की दुनियाँवालों का असर जल्दी पड़ जाता है, प्रभाव जल्दी पड़ जाता है। वो बात चारों तरफ बड़ी जल्दी-2 तीव्रता से फैलने लगती है। भगवान आया हुआ है, 70 साल से चिल्ला रहा है कि 100 साल का संगमयुग है। पुरानी दुनियाँ का विनाश, नई दुनियाँ की स्थापना होने वाली है। वो बात बुद्धि में नहीं चलती।

You get affected by the people of the outside world soon. You come under their influence soon. That topic spreads very quickly everywhere. God has come and has been shouting for 70 years that the Confluence Age is of 100 years. The old world is going to be destroyed and a new world is going to be established. That topic does not go on in the intellect.

जिज्ञासुः ब्राह्मणों की दुनियाँ में भी बोलते हैं कि 2036 में कृष्ण का जन्म होगा।
बाबाः वो स्थूल कृष्ण का जन्म होगा कि सूक्ष्म कृष्ण का जन्म होगा?
जिज्ञासुः स्थूल कृष्ण का।
बाबाः फिर? वो तो होगा ही। संगमयुग पूरा होगा तो कौनसा युग शुरू होगा? (जिज्ञासुओं ने कहा-सतयुग।) सतयुग का पहला पत्ता कौन होगा चैतन्य में? (जिज्ञासु - कृष्ण।) कृष्ण ही होगा।
जिज्ञासुः बड़ा होगा कृष्ण तब वो सतयुग गिना जावेगा ना? 1.1.1 ऐसा।
बाबाः ये क्या बात हुई? एक बात है। दिन कब गिने जाते हैं? दुःख में दिन गिने जाते हैं या सुख में दिन गिने जाते हैं? (जिज्ञासु - दुःख में।) दुःख में दिन गिने जाते हैं। सतयुग में सुख होगा या दुख होगा? (जिज्ञासु - सुख होगा।) तो वहाँ दिन गिनने की क्या बात है? हिस्ट्री कब बनती है? हिस्ट्री बनती है द्वापरयुग से जब द्वैतवादी दुःख का युग शुरु होता है। दो-दो बातें शुरु हो जाती हैं। द्वापरयुग से तवारीख शुरू होती है। तिथि शुरु होती है। चाहे क्रिश्चियंस की

हो, चाहे शक संवत् हो, चाहे हूण संवत हो, ये संवत वगैरा शुरुआत होते हैं द्वापर से। सतयुग में सुख ही सुख है। वहाँ कोई तवारीख की जरूरत नहीं।

Student: It is said in the world of Brahmins that Krishna will be born in 2036.
Baba: Will the physical Krishna be born or will the subtle Krishna be born?
Student: The physical Krishna.
Baba: Then? That will definitely happen. When the Confluence Age ends, which age will begin? (Students: the Golden Age.) Who will be the first leaf of the Golden Age in living form? (Student: Krishna) It will be just Krishna.
Student: It is only when Krishna grows up that the Golden Age will be counted, will it not? The year 1.1.1…
Baba: What is this? There is one aspect. When are days counted? Are days counted in sorrow or in happiness? (Student: In sorrow.) Days are counted in sorrow. Will there be happiness or sorrow in the Golden Age? (Student: There will be happiness.) So, is there any need to count the days there? When is *history* written? *History* is written from the *Dwaparyug* (Copper Age) when the age of dualism, of sorrow begins. Two topics emerge. Dates begin from the Copper Age. Whether it is the calendar of the Christians, whether it is the Saka Era, whether it is the Huna Era; these Eras etc. begin from the Copper Age. There is only happiness in the Golden Age. There is no need for dates there.

जिज्ञासुः 2017-18 में जो बात बताई है...
बाबाः हाँ, संगमयुग की बात है। संगमयुग में ऐसा टाइम आएगा कि नई दुनियाँ के वायब्रेशन्स ऐसा तैयार हो जाएगा जहाँ जिस वायब्रेशन में जो भी पहुँचेंगे वो ही चेंज होने लगेंगे। ज्ञान सुनाने की दरकार ही नहीं रहेगी।
जिज्ञासुः 2017-18 के बाद वो कंचनकाया होगा ना।
बाबाः कंचनकाया 5 तत्वों को परिवर्तन होने की बात है या आत्मा को परिवर्तन होने की बात है? कंचनकाया जो कही जाएगी... काया, काया माना शरीर। तो 5 तत्व पहले परिवर्तन होंगे या पहले आत्मा परिवर्तित होगी? तो 2018 में क्या शुरुआत होगी? आत्मा का परिवर्तन होगा या 5 तत्वों का परिवर्तन शुरु हो जाएगा? (जिज्ञासु - आत्मा का।) आत्मा का परिवर्तन शुरु होगा। 5 तत्वों का परिवर्तन थोड़े ही शुरु हो जाएगा। 5 तत्वों का परिवर्तन तब तक नहीं हो सकता जब तक ये 5 तत्वों की दुनियाँ पूरी खलास नहीं हो जाती। 500-700 करोड़ जितने भी मनुष्य मात्र हैं, उन सबके वायब्रेशन 5 तत्वों को दूषित कर रहे हैं। 500-700 करोड़ मनुष्य मात्र सब शरीर छोड़ देवें। सिर्फ साढ़े चार लाख ज्ञानी तू आत्माएं ऐसी बचें जो वायब्रेशन को शुद्ध करने वाली हैं। तब दुनियाँ के 5 तत्वों का परिवर्तन शुरू होगा। माने 2036 से पहले न 5 तत्वों की दुनियाँ खलास होगी और न 5 तत्वों का परिवर्तन शुरू होगा।

Student: As regards the topic of 2017-18...
Baba: Yes, it is about the Confluence Age. Such a time will come in the Confluence Age that the vibrations of the new world will become ready in such a way that whoever reaches those vibrations will start to *change*. There will not be any need to narrate knowledge at all.
Student: Our body will become diseases free (*kancankaayaa*) after 2017-18, will it not?

Baba: Is *kancankaayaa* about the transformation of the five elements or is it about the transformation of the soul? As regards *kancankaayaa… kaayaa* means body. So, will the five elements be transformed first or will the soul be transformed first? (Everyone said: the soul.) So, what will begin in 2018? Will the transformation of the soul take place or will the transformation of the five elements begin? (Student: Of the soul.) The transformation of the soul will begin. The transformation of the five elements will not begin. The transformation of the five elements cannot happen until this world of five elements does not end completely. The vibrations of all the 5-7 billion human beings are polluting the five elements. All the 5-7 billion human beings should leave their bodies. Only four and a half lakh knowledgeable souls which purify the vibrations should survive. Then the transformation of the five elements of the world will begin. It means that before 2036, neither the world of five elements will perish nor the transformation of five elements will begin.

जिज्ञासुः पहला ऐसे बताया कि 17-18 में कृष्ण का जन्म।

बाबाः कहीं नहीं बताया। ये तुमने अपना समझा है बहुत कुछ।

जिज्ञासुः 18-20 साल का कृष्ण...

बाबाः वो कृष्ण संगमयुगी कृष्ण है न कि सतयुगी कृष्ण?

जिज्ञासुः संगमयुगी कृष्ण।

बाबा: कहा कुछ जाता है। बुद्धि समझती कुछ और है। सन् 76 के बारे में बाबा ने क्या बोला था मुरलियों में? क्या बोला था और क्या समझने वालों ने समझ लिया?

जिज्ञासु: आने वाले दस वर्षों में भारत से भ्रष्टाचार, विकारों का अंत...

बाबा: तो हो गया भ्रष्टाचार, विकारों का अंत?

जिज्ञासुः नहीं, नहीं। वो तो एक आत्मा की बात है।

बाबाः हाँ, तो वो ही बात बताई। लक्ष्मी-नारायण का जन्म की बात बताई कि लक्ष्मी-नारायण जो संगमयुगी हैं उनके वायब्रेशन चेंज हो जाएंगे।

Student: It was told earlier that Krishna will be born in 2017-18.
Baba: It has not been said anywhere. You have interpreted a lot on your own.
Student: 18-20 years old Krishna…
Baba: Is that Krishna the Confluence Age Krishna or the Golden Age Krishna?
Student: Confluence Age Krishna.
Baba: Something is said and the intellect understands something else. What did Baba say about the year 76 in the murlis? What did He say and what did people understand?
Student: Corruption, vices will end in the forthcoming ten years.
Baba: So, did corruption and vices end?
Student: No, no. That is about one soul.
Baba: Yes. That is what was said. It was said about the birth of Lakshmi-Narayan that the vibrations of the Confluence Age Lakshmi and Narayan will change. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 28.58-30.20

जिज्ञासुः बाबा, अभी का सेवा का तरीका, सेवाधारी आत्माओं का और 2018 के बाद जब बाप की प्रत्यक्षता होगी तब का सेवाधारी बच्चों का सेवा का तरीका, इसमें क्या अन्तर होगा?

बाबाः अभी बापदादा प्रवेश करके बच्चों में सेवा कर रहे हैं, करा रहे हैं। बच्चे तमोप्रधान हैं या सतोप्रधान हैं? (जिज्ञासुओं ने कहा - तमोप्रधान।) तमोप्रधान को अपनी रग लगी रहेगी, विकारों की रग लगी रहेगी या वो सेवा करेंगे? (जिज्ञासु - विकारों की।) अभी बिच्छु टिण्डन पैदा हो रहे हैं। एडवांस पार्टी में भी और बेसिक में भी क्योंकि वायब्रेशन सेवा करने वालों के सुधरे हुए नहीं हैं। जब सेवाधारियों के वायब्रेशन सुधर जाएंगे तो नई सृष्टि के नए फूल पैदा होंगे। उसको कहेंगे विजयमाला।

जिज्ञासुः 2020-18 के बाद।

बाबाः हाँ, जी। अभी दुःखदायी जीवड़े पैदा हो रहे हैं या सुखदायी पैदा हो रहे हैं? (जिज्ञासु - दुःखदायी।) एडवांस में भी? कहो? (जिज्ञासु - दुखदायी।) दुःखदायी☺।

Time: 28.58-30.20

Student: Baba, what will be the difference between the method of service of the *sevaadhaari* souls at present and the method of service of the *sevaadhaari* children after 2018 when the revelation of the Father takes place?

Baba: Now Bapdada is entering the children and doing service or enabling them to do service. Are the children *tamopradhan* or *satopradhan*? (Students: *tamopradhan.*) Will a *tamopradhan* soul think of himself, will he think of vices or will he do service? (Student: he will think of vices.) Now scorpions and spiders are being born in the advance party as well as the basic [knowledge] because the vibrations of those who do service are not reformed. When the vibrations of the *sevaadhaaris* will improve then the new flowers of the new world will be born. That will be called the *Vijaymaalaa*.

Student: Will that be after 2020-18?

Baba: Yes. Are the living beings which give sorrow being born or are the living beings that give happiness being born? (Student: those who give sorrow.) Even in the advance [party]? Speak up. (Student: those which give sorrow).

समयः 30.30-32.36

जिज्ञासुः सागर मंथन करते समय समुद्र के नीचे कछुआ था।

बाबाः सात नारायण हैं। सतयुग के गिरती कला के नारायण। उनको जानवर का अवतार दिखाया गया है। कोई कछुआ अवतार है। कोई मच्छ अवतार है। कोई घोड़े का अवतार है। कोई सूअर का अवतार है। ऐसे दिखाए गए हैं ना। तो उनमें एक लास्ट अवतार है कछुआ का। उसके ऊपर सारे छह नारायण टिके हुए हैं। भक्तिमार्ग में कहा हुआ है कछुआ के ऊपर पृथ्वी टिकी हुई है। जब सागर मंथन हुआ तो कछुए की पीठ के ऊपर मथानी चलाई गई, पहाड़ की। भक्तिमार्ग में ऐसे बोलते हैं। कोई दूसरा नहीं है। चाहे बेसिक नालेज हो चाहे एडवांस नालेज हो। बेसिक नालेज का भी ठाठ का जो विस्तार है वो आर्य समाज के ऊपर टिका हुआ है। सबसे ज्यादा लिट्रेचर

कौन छपाते हैं? (जिज्ञासु - आर्य समाजी।) आर्य समाजी। बेसिक ज्ञान में भी लिट्रेचर छपाना और लिट्रेचर का विस्तार करना ये किस व्यक्ति के हाथ में था? जगदीश भाई। वो आखरी जन्म में कौनसे धर्म के थे? आर्य समाजी थे। और बेसिक नालेज में भी आठवाँ नारायण साबित होते हैं। तो कछुए की ये विशेषता होती है - वो जब चाहे तो अपनी इन्द्रियों को सिकोड़ के बैठ जाए, दूसरे समझेंगे ये तो बड़ा योगी है। और जैसे ही अकेलापन देखता है तो इन्द्रियाँ सब बाहर आ जाती हैं।

Time: 30.30-32.36
Student: There was a tortoise in the ocean when the churning of ocean took place.
Baba: There are seven Narayans. They are Narayans with decreasing celestial degrees in the Golden Age. They are shown as the incarnations of animals. Someone is the incarnation of a tortoise. Someone is the incarnation of a crocodile. Someone is the incarnation of a horse. Someone is the incarnation of a pig. They are shown like that, aren't they? So, the last incarnation among them is that of a tortoise. All the six Narayans are based on it. It is said in the path of *bhakti* that the Earth is based on a tortoise. When the churning of the ocean took place, then the churning-stick (*mathaani*) of mountain was placed on the back of the tortoise and rotated. It is said like this in the path of *bhakti*. It is none other. Whether it is the *basic knowledge* or the *advance knowledge*; the expanse of the pomp of the basic knowledge is also based on Arya Samaj. Who publishes the maximum literature? (Student: Arya Samaji.) Arya Samaji. Even in the *basic* knowledge, which person was in charge of publishing literature and to expand the literature? Jagdish bhai. To which religion did he belong in the last birth? He was an Arya Samaji. And even in the *basic knowledge* he is proved to be the eighth Narayan. So, the specialty of a tortoise is that – it withdraws its *indriyaa* (parts of the body) whenever it wishes to and others will think that it is a big *yogi*. And as soon as it finds solitude, all the *indriyaa* come out.

समयः 32.45-34.75
जिज्ञासुः संगमयुग में परशुराम कौन है?
बाबाः अब बाबा एक-एक के पार्ट थोड़े ही खोलेगा बैठ करके। जब टाइम आएगा तो सबके पार्ट खुल जावेंगे। अव्यक्त वाणी में वो बोला है - बापदादा हर आत्मा के एक-एक आत्मा के पार्ट खोल करके बोर्ड या कागज़ पर लिख करके नहीं बतावेंगे। ये पूछना भी नहीं चाहिए कि किसका पार्ट है? हरेक पार्ट चाहे कोई भी पार्ट हो दुनियाँ का। हरेक पार्ट का बीज प्रजापिता में समाया हुआ है।
दूसरा जिज्ञासुः कौनसे साल में?
बाबाः ये माता सो के उठी है।☺
दूसरा जिज्ञासुः कौनसे साल में बाबा ये बात बतायेगा?
बाबाः बाबा ने बोला - बाबा हर बात को साफ-साफ सीधा-सीधा नहीं बोलते। बाबा का कहना है देवताओं के लिए इशारा ही काफी होता है। तो मुरली में बोला दुनियाँ की ऐसी कोई बात नहीं, दुनियाँ की ऐसी कोई चीज़ नहीं जो तेरे पर लागू न हो। तू राम भी बनता है तो तू? रावण भी बनता है। कृष्ण कंस भी बनता है और कृष्ण कृष्ण भी बनता है।

Time: 32.45-34.75
Student: Who is Parashuram in the Confluence Age?
Baba: Well, Baba will not reveal the part of each individual. When the time comes, everyone's part will be revealed. It has been said in the avyakt vani: Bapdada will not write on a board or a paper to announce the part of each soul. You should not even ask that who plays a particular part. Every part, be it any part of the world; the seed of every part is contained in Prajapita.
Another student: In which year?
Baba: What? This mother has just woken up. ☺
Another student: In which year will Baba tell this?
Baba: Baba has said: Baba does not speak of every topic in clear and direct terms. Baba says: A hint is enough for the deities. So, it has been said in the murli that there is nothing in the world which is not applicable to you. You become Ram as well as? Ravan. Krishna becomes Kansa as well as Krishna. ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 34.30-43.20

जिज्ञासुः बाबा, जो अपने देवताओं के चित्र हैं वो खड़े हैं और जो इस्लाम धर्म में जो दरगाह आदि वो सोये हुए हैं। ऐसे क्यों?

बाबाः सो तो जाते हैं? वो सब कब्र दाखिल ही तो हो जाते हैं। जितने देवताएं हैं जब कब्र दाखिल हो जाते हैं तभी तो उनकी इस्लाम धर्म में पूजा होती है।

जिज्ञासुः उस पर चद्दर चढ़ाते हैं, ऐसा नमन करते हैं ना।

बाबाः हाँ, जी। वो सोते हुए को मानते हैं। जैसे आज की दुनियाँ में पहले शंकरजी का सोता हुए चित्र नहीं था। बाद में अभी सोता हुआ चित्र निकला। वो भी सोया हुआ है। सोया हुआ माना? (जिज्ञासु - योगनिद्रा।) नहीं। अज्ञान की निद्रा में सोया हुआ है। जब जग जाएगा तो बैल के ऊपर सवार हो जाएगा या बैल रूपी चन्द्रमाँ उसके ऊपर सवार होगा? बैल के ऊपर सवारी हो जाएगी। इसलिए मुरली में बोला है - शिव किसके ऊपर सवारी करेगा? जानवर पे सवारी करेगा या मनुष्य पे सवारी करेगा? (जिज्ञासुओं ने कहा-मनुष्य पे।) मनुष्य कौन है? मनुष्यों में बड़ा मनुष्य है देवता और देवताओं में बड़ा देवता है शंकर। तो शंकर में शिव प्रवेश करता है और शंकर की काहे पे सवारी दिखाते हैं भक्तिमार्ग में? (जिज्ञासु - बैल पर।) बैल पर सवारी दिखाया है।

Time: 34.30-43.20
Student: Baba, the pictures of our deities are standing and in the Islam religion, [their saints in] the Dargahs, etc. are sleeping. Why is it so?
Baba: They do fall asleep. All of them certainly enter the grave. Only when all the deities enter the grave, they are worshipped in the Islam religion.
Student: They offer a sheet (*chaddar*) as a covering [for the grave]; they bow like this.
Baba: Yes. They believe in the ones who are sleeping. For example, in today's world there wasn't a picture of sleeping Shankar earlier. Later on, now the picture of the sleeping stage

emerged. He is sleeping, too. What is meant by sleeping? (Student: *Yog nidraa*[5].) No. He is in the sleep of ignorance. When he wakes up then will he ride on the bull or will the bull like moon ride on him? He will ride on the bull. This is why it has been said in the murli: on whom will Shiva ride? Will He ride on an animal or on a human being? Who is that human being? The highest among all human beings is deity. And the highest among all deities is Shankar. So, Shiva enters Shankar. And on whom is Shankar shown to ride in the path of *bhakti*? (Student: - on the bull.) He is shown to ride on the bull.

बैल कौन है? (जिज्ञासु - ब्रह्मा।) ब्रह्मा की आत्मा बैल है। वो बैल ब्रह्मा की सोल, कृष्ण की सोल अभी शंकर के मस्तक पर विराजमान दिखाई जाती है। इसका मतलब क्या हुआ? प्रवेश है या राम वाली आत्मा उसमें प्रवेश होती है? पावरफुल आत्मा कमजोर में प्रवेश करती है या कमजोर आत्मा पावरफुल में प्रवेश करती है? (जिज्ञासु - पावरफुल आत्मा कमजोर में प्रवेश करती है।) पावरफुल आत्मा कमजोर में प्रवेश करती है। तो अभी बैल की सवारी शंकर के ऊपर है। (जिज्ञासु - असर पड़ता है क्या बाबा?) क्यों नहीं असर पड़ता है? बैल क्या करता है? (जिज्ञासु - बैल अडियलपना दिखाता है।) तो फिर? तो जो पार्ट है शंकर का विष पीता है ये कहाँ का पार्ट है? राम वाली आत्मा को कोई कहेगा कि विष पीने वाली है? विकारों के आधीन हो जाती है। 5 विकारों में मुख्य विकार काम विकार है और काम विकार का बाप कौन है? (जिज्ञासु - देह अभिमान।) देह अभिमान। रावण के सर के ऊपर कौनसा सर दिखाया है सर्वोपरि? गधा। 5 विकार तो हैं रावण के 10 सिरों में से मुखिया। लेकिन उनका बाप कौन है? उनको पोषण देने वाला कौन है? ब्राह्मणों की दुनियाँ में इन विकारियों को पोषण किसने दिया? पालना किसने दी? राम वाली आत्मा, सूर्यवंशी आत्माएं तो चली गई। फिर इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन आदि को पालना किसने दी? ब्रह्मा ने पालना दी। उसकी गोद में सब पले। गधा दिखाया जाता है रावण के सर के ऊपर वो देह अभिमान रूपी गधा है।

Who is the bull? (Student: Brahma) Brahma's soul is the bull. That soul of the bull Brahma, the soul of Krishna is now shown to be seated on the forehead of Shankar. What does it mean? Has he entered [Ram] or does the soul of Ram entered him? Does a powerful soul enter a weak one or does a weak soul enter a powerful one? (Student: A powerful soul enters a weak one.) A powerful soul enters a weak one. So, now the bull rides on Shankar. (Student: Does it affect him Baba?) Why not? What does a bull do? (Student: The bull shows its adamancy.) So, then? So, as regards Shankar's part that he drinks poison, it is a part of which time? Will anyone say that the soul of Ram drinks poison? It comes under the influence of the vices. Among the five vices the vice of lust is the main vice and who is the father of the vice of lust? (Student: Body consciousness.) Body consciousness. Which head is shown to be on top of Ravan's head? Donkey. The five vices are indeed main among the Ravan's ten heads, but who is their father? Who sustains them? Who sustained these vicious ones in the world of Brahmins? Who sustained them? The soul of Ram, the *Suryavanshi*[6] souls departed. Then, who sustained the people of Islam, the Buddhists, the Christians, etc.? Brahma sustained them. Everyone was sustained in his lap. A donkey is shown on Ravan's head. It is donkey in the form of body consciousness.

[5] Yoga in sleep
[6] The ones who belong to the Sun dynasty

जिज्ञासुः लेकिन बाबा, राम वाली आत्मा तो बीज रूप स्टेज में सबसे ज्यादा टिकती है।
बाबाः जिस समय टिकेगी उसी समय ना। हर समय 24 घंटे टिकती है? जमदे जामदे हो जाता है क्या? कि प्रैक्टिस करनी पड़ती है?
जिज्ञासुः उसकी प्रैक्टिस तो ब्रह्मा बाबा के मुकाबले लंबे समय की है ना।
बाबाः नहीं। ब्रह्मा बाबा के मुकाबले की नहीं है अभी। अगर ब्रह्मा बाबा के मुकाबले की होगी तो ब्रह्मा बाबा की बुद्धि को चेंज कर दे। गीता का भगवान शिव शंकर भोलेनाथ निराकार हो जाए। ये बात ब्रह्मा की बुद्धि में अभी तक बैठी है? (जिज्ञासु - नहीं।) क्यों नहीं बैठी? क्योंकि राम वाली आत्मा सदाकाल के लिए निराकारी स्टेज वाली बनी है कि नहीं बनी है? नहीं बनी है। सदाकाल की निराकारी स्टेज वाली बन जाएगी तो राम और कृष्ण दोनों मिल करके एक विष्णु का रूप बन जाएंगे। फिर भारत माता शिवशक्ति अवतार ये अंत का नारा प्रत्यक्ष हो जाएगा।
जिज्ञासुः राम वाली आत्मा के ऊपर मदार है।
बाबाः राम वाली आत्मा के ऊपर मदार नहीं है। बाप कभी अपने को आगे नहीं करता। बाप बच्चे को आगे करता है। बच्चा कौन है? कृष्ण बच्चा। एक के पतित होने पर सब पतित हो जाते हैं। एक के पावन बनने से सब? पावन बन जाते हैं।

Student: But Baba, the soul of Ram becomes constant in the seed-form stage more than anyone else.
Baba: It concerns the time when it becomes constant, doesn't it? Does it remain constant all the time, for 24 hours? Can something be accomplished all of a sudden? Or does one have to practice?
Student: When compared to Brahma Baba he has done the practice for a longer period, hasn't he?
Baba: No. It is not comparable to Brahma Baba now. If it is comparable to Brahma Baba, then it should *change* the intellect of Brahma Baba. Incorporeal Shiva Shankar Bholenath should become the God of the Gita. Did this topic sit in Brahma's intellect so far? (Student: No.) Why did it not sit? It is because has the soul of Ram attained the incorporeal stage forever or not? It hasn't. If it attains the incorporeal stage forever, then the souls of Ram and Krishna will come together and become a form of Vishnu. Then this slogan of the end: *Bharat mata Shiv Shakti Avatar*[7] will be revealed.
Student: Everything is dependent on the soul of Ram...
Baba: Everything is not dependent on the soul of Ram. The Father never keeps himself ahead. The Father keeps the child ahead. Who is the child? Child Krishna. When one becomes sinful, everyone becomes sinful. When one becomes pure, everyone becomes pure.

जिज्ञासुः ब्रह्मा की आत्मा शिवबाबा के ज्ञान मार्ग में गीता का भगवान की बात मान्य नहीं कर रही है। वो सबसे ज्यादा विघ्न रूप वो ही आत्मा।
बाबाः सबसे बड़ी भूल कौनसी है?
जिज्ञासुः गीता का भगवान कृष्ण है।

[7] Mother India, the incarnation of Shiva-shakti

बाबाः फिर?

दूसरा जिज्ञासुः बाप के बदले बच्चे का नाम डाल दिया।

बाबाः ये बाप की जगह बच्चे का नाम डालने वाला कौन?

जिज्ञासुः वो खुद है।

बाबाः अपने-अपने ग्रंथों में अपनी-अपनी कथा कहानियाँ लिख दी है।

तीसरा जिज्ञासुः वाल्मीकि नारद सब घट जोनि, निज-निज मुख करे....

बाबाः फिर? अपनी-अपनी कथा कहानियाँ लिखी है बैठ करके शास्त्रों में। सूरदास ने सूरसागर लिखा है तो उसमें अपनी कहानी लिखी है कृष्ण की। कृष्ण को भगवान बनाय दिया है।

Student: The soul of Brahma is not allowing the recognition of the God of the Gita in the path of knowledge of Shivbaba. That soul is the biggest obstacle.
Baba: Which is the biggest mistake?
Student: The God of the Gita is Krishna.
Baba: Then?
Second Another student: The name of the child has been inserted instead of the Father.
Baba: Who inserted the name of the child instead of the Father?
Student: He himself.
Baba: Each one has written his own story in his own scripture.
Third Another student: *Valmiki Narad sab vat joni, nij-nij mukhh kare...*
Baba: Then? They sat and wrote their own stories in the scriptures. Surdas wrote Soorsagar, he has written his own story of Krishna in it. He made Krishna God.

जिज्ञासुः बाबा, शंकर की सवारी संपूर्ण रूप में बैल पर कब तक होगी? 2018-20 तक।

बाबाः जब संपन्न स्टेज हो जाए।

जिज्ञासुः प्रत्यक्षता भी उसी साल में?

बाबाः जब संपन्न निराकारी स्टेज हो जाए, निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी सदाकाल की स्टेज हो जाए तब ही कहेंगे कि विजय पाई।

जिज्ञासुः तो उस आत्मा का माउंट आबू गुल्ज़ार दादी या संदेशी में प्रवेश करना भी बंद हो जाएगा क्या, पूरी सवारी हो जाएगी तब?

बाबाः ये एडवांस पार्टी वाले या शंकर पार्टी वाले ब्रह्मा बाबा के पीछे क्यों पड़े रहते हैं? ये कब आना बंद हो जाएगा? अरे सीधी सी बात है। सूर्य प्रत्यक्ष होगा.... पूर्णमासी के दिन एक तरफ सूर्य प्रत्यक्ष होता है तो दूसरी तरफ चन्द्रमाँ अस्त होता है। अरे सूर्य को तुमने प्रत्यक्ष कर लिया क्या?

जिज्ञासुः चल रहा है ना बाबा सूर्य की प्रत्यक्षता।

बाबाः चल रहा है। तो वो भी चल रहा है।

जिज्ञासुः लेकिन हमारे सूर्य को प्रत्यक्ष करने के काम में वो आत्मा विघ्न रूप बनी हुई है।

बाबाः तुम्हारा चन्द्रमाँ नहीं है क्या? हमारे.....?

Student: Baba, by when will Shankar ride on the bull completely? It is by 2018-20?
Baba: It is when he achieves the perfect stage.
Student: Will the revelation also take place in the same year?
Baba: It is only when he achieves the perfect incorporeal stage, when he achieves the incorporeal, vice less, egoless stage forever that he will be said to have achieved victory.
Student: So, will that soul stop entering in Gulzar Dadi or *sandeshi* (trance messenger) at Mount Abu when he rides him completely?
Baba: Why do these people of the Advance Party or Shankar Party chase Brahma Baba always [saying:] when will he stop coming? ☺ *Arey*, it is a simple thing. The Sun will be revealed... on the day of the full moon, on the one side the Sun is revealed and on the other side the Moon sets. *Arey*, did you reveal the Sun?
Student: Baba, the revelation of the Sun is going on, isn't it? ☺
Baba: It is going on. So that (Moon's part) is also going on.
Student: But that soul has become an obstacle in the task of revelation of our Sun.
Baba: Doesn't the Moon belong to you? Our...? ☺

जिज्ञासुः हम सूर्यवंशी बच्चों के लिए ज्यादा महत्व तो सूर्य का है ना?
बाबाः सूर्यवंशी बच्चे तब कहे जाएं जब सूर्य को प्रत्यक्ष करें।
जिज्ञासुः कार्य तो चल रहा है ना।
बाबाः तो कार्य वो भी चल रहा है। चन्द्रमाँ के प्रत्यक्ष होने का।
चौथा जिज्ञासुः लेकिन बाहर की जो गवर्मेन्ट है ना उससे डरते हैं। बोलते हैं ऐसे जेल में डाल देंगे।
बाबाः क्या?
चौथा जिज्ञासुः .... झूठा-झूठा आक्षेप करके फिर अन्दर करा देते हैं।
बाबाः वो तो बचेंगे नहीं। जो बाप के ऊपर गुजरी है वो हर बच्चे के ऊपर नंबरवार गुजरेगी। डर कर के भाग करके कहाँ जाएंगे?
जिज्ञासुः फिर बाप बचाएगा ना बाबा।
बाबाः बाप को बाप ने नहीं बचाया क्या?
जिज्ञासुः बचाया ना।
बाबाः तो फिर?

Student: For us *Suryavanshi* children the Sun holds more importance, doesn't He?
Baba: Children will be called *Suryavanshi* only when they reveal the Sun.
Student: The task is going on, isn't it?
Baba: So, that task of revelation of the Moon is also going on. ☺
Another student: But they fear the outside government. They say that they will put us in jail.
Baba: What?
Fourth Another student: ... they level false allegations and then put them inside jail.
Baba: You will certainly not be saved. Whatever the father has faced, every child will face it number wise. Where will you run in fear?
Student: Then the Father will save, will He not Baba?
Baba: Didn't the Father save the father?
Student: He certainly saved him?

Baba: So, then? ... (to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 43.30-44.45

जिज्ञासुः बाबा, जो सतयुग का पहला नारायण है, बेहद का गांधी, उसे इस्लामी आए तो बादशाही मिलेगी। और यहाँ पे जो हद के गांधी थे, महात्मा गांधी, उनका जो लड़का था हीरालाल, इस्लाम धर्म में कनवर्ट हो गया। तो बात टैली हो गई ना यहाँ पर।

बाबाः गांधीजी का सारा जीवन ब्रह्मा बाबा से टैली नहीं हो रहा है? गांधी जी भी राम राज्य चाहते थे। ब्रह्मा बाबा भी क्या चाहते थे? राम राज्य चाहते थे। फिर राम राज्य हुआ कि रावण राज्य हो गया? (सभी ने कहा - रावण राज्य।) और ही रावण राज्य हो गया। मुरली में तो बोला हुआ है - गांधी मरा, राजकोट की तरफ कोई साहूकार कांग्रेसी के यहाँ जा करके जन्म लिया। उसका स्थूल अर्थ लगाएं तो उस गांधी के लिए लागू होता है। और सूक्ष्म अर्थ लगाये तो बेहद के गांधी के लिये लागू होता है। बेहद के गांधी माना कृष्ण वाली आत्मा, ब्रह्मा वाली आत्मा, ज्ञान रत्नों के साहूकार है राम वाली आत्मा, उसके बुद्धि रूपी धरणी में प्रवेश हो गई। वो बुद्धि रूपी धरणी है राजाओं का कोट। कोट माने किला। राजकोट माने राजाओं का किला।

Time: 43.30-44.45

Student: Baba, the first Narayan of the Golden Age, the Gandhi in an unlimited sense... And here, the Gandhi in a limited sense, Mahatma Gandhi his son Hiralal converted to Islam. So, this tallies here, doesn't it?

Baba: Is Gandhiji's entire life not tallying with that of Brahma Baba? Gandhiji wished that *Ram Raajya* (the kingdom of Ram) [should come]. What did Brahma Baba also wish? He wished that *Ram Raajya* [should come]. Then, was *Ram Raajya* established or was *Ravan Raajya* established? (Everyone said: *Ravan Raajya*.) It became *Ravan Raajya* even more. It has indeed been said in the murli: When Gandhi died, he was born in the home of a prosperous Congressman living near Rajkot[8]. If it is interpreted in a limited sense, then it is applicable to that Gandhi. And if you interpret its subtle meaning it is applicable to the unlimited Gandhi. The unlimited Gandhi, i.e. the soul of Krishna, the soul of Brahma - The soul of Ram is prosperous in gems of knowledge - It (i.e. the soul of Krishna) entered the land like intellect of that soul (the soul of Ram). That land like intellect is the *kot* of kings (*raajaaon kaa kot*). *Kot* means fort. Rajkot means the fort of kings.

समयः 44.48-45.12

जिज्ञासुः बाबा, विनाश इतना लंबा हो जाएगा क्या ....?

बाबाः नाक में दम आ गई क्या? ☺

जिज्ञासुः नहीं, नहीं।.....

बाबाः जो कच्चे होंगे उनके गिरना चाहिए कि नहीं? माला कैसे बनेगी? माला बनने नहीं देना?

जिज्ञासुः प्रजा ऐसे बाद में भी बन सकती है ना?

[8] A place in Gujarat, India

बाबाः प्रजा को कौन पूछता है? प्रजा तो ऐसे ही कटती रहती है युद्ध में।

Time: 44.48-45.12
Student: Baba, will destruction drag on for so long...?
Baba: Are you being harassed? ☺
Student: No, no...
Baba: Should those who are weak experience downfall or not? How will the rosary be formed? Will you not allow the rosary to be formed?
Student: The subjects can be prepared later on as well, can't they?
Baba: Who cares for the subjects? The subjects are simply killed in battles.

समयः 45.15-46.05

जिज्ञासुः बाबा, जो झाड़ के चित्र में ऊपर नंदीगण लिखा है। ब्रह्मा के बारे में नंदीगण लिखा है। उसका अर्थ क्या निकलेगा?

बाबाः नंदी **गण** का मतलब होता है समूह। और समूह कोई एक से नहीं बनता है। कम से कम कितने चाहिए? दो। तो ये दो बैल हैं। वास्तव में एक बैल नहीं है। राम और कृष्ण दोनों ही अभी कौनसा पार्ट बजाय रहे हैं? बैल का पार्ट बजाय रहे हैं या शेर का पार्ट बजाय रहे हैं? अभी भी बैल का पार्ट है। जब शेर का पार्ट बजायेंगे तो संसार में ऐसी ज्ञान की दहाड़ आएगी कि कोई मुकाबला नहीं कर सकेगा।

Time: 45.15-46.05
Student: Baba, the word '*Nandigan*' has been written on the picture of the Tree. *Nandigan* has been written with reference to Brahma. What does it mean?
Baba: *Nandi**gan*** means group. And a group is not formed by one person. At least how many are required? Two. So, these are two bulls. Actually, it is not one bull. Which part are Ram as well as Krishna playing now? Are they playing the part of a bull or of a lion? Even now it is a bull's part. When they play the part of a lion, then they will give such a roar of knowledge in the world that nobody will be able to face it.

समयः 46.10-47.10

जिज्ञासुः 5-6 माताएं रोज क्लास करती हैं। तो गीतापाठशाला खोल सकते हैं?

बाबाः माताएं-माताएं क्लास करती हैं?

जिज्ञासुः सिर्फ माताएं हैं।

बाबाः कोई पिता नहीं है?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं भाई भी हैं ना। रमेश भाई भी हैं।

बाबाः रमेश भाई है ना। तो रमेश भाई के घर में क्यों नहीं गीतापाठशाला चलती है? रमेश भाई के घर में क्लास करो। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, जी। बाबा ने तो बहुत पहले से बोला हुआ है।

दूसरा जिज्ञासुः वो ही बात है बाबा। युगल ने भट्ठी की है तो पाठशाला खोल सकते हैं?

बाबाः हाँ, जी। हाँ,जी। युगल ने भट्ठी की हो और भट्ठी करने के साथ-साथ हिन्दी में अनुवाद करना जानते हों। बाबा की वाणी जो वी.सी.डी में या कैसट में आती है उस वाणी को हिन्दी से गुजराती में अनुवाद करना भी आता हो। तो अपने घर में गीतापाठशाला खोल सकते हैं।

Time: 46.10-47.10
Student: 5-6 mothers attend the class every day. So, can we open a *Gitapathshala*?
Baba: Do only the mothers attend the class?
Student: There are only mothers.
Baba: Is there no father?
Another student: No, there are brothers as well. There is Ramesh bhai as well.
Baba: There is Ramesh bhai, isn't there? So, why can't you run a *gitapathshala* at Ramesh bhai's home? You can organize class at Ramesh bhai's home. (Student said something.) Yes. Baba has said this long ago.
Another student: It is the same thing Baba. If the *yugal* has done *bhatti*, then can they open the *pathshala*?
Baba: Yes. Yes. The *yugal* should have done the *bhatti* and along with having done the *bhatti*, they should be able to translate in Hindi. They should also be able to translate from Hindi to Gujarati Baba's vani that is recorded in the VCDs or cassettes. Then you can open a *gitapathshala* at you home as well.

समयः 47.12-47.55

जिज्ञासुः बाबा, आपने बताया ना कि पृथ्वी से और कहाँ पे जीव है नहीं। तो फिर न्यूज़ पे बहुत आ रहा है कि कहीं पे जीव है और।

बाबाः कौन आ रहा है? कौन आ रहा है?

जिज्ञासुः न्यूज़ पर बहुत आ रहा है।

बाबाः अरे न्यूज़ पर तो ये भी आ रहा है तुम्हारा बाप जो ऐसा था, वैसा था, कैसा था। फिर? फिर कोर्ट में कैसा साबित हो गया? न्यूज़ में तो जाने क्या क्या आता है। ये न्यूज़ लिखने वाले विकारी मनुष्य हैं या निर्विकारी हैं? (जिज्ञासुओं ने कहा - विकारी है।) विकारियों की बात बहुत जल्दी मान लेती है। शिवबाबा आया हुआ है एवर प्योर। उसकी बात कोई नहीं मानता।

Time: 47.12-47.55
Student: Baba, you said that there is no living being anywhere except on the Earth. So, it is coming in the news a lot that there are living beings somewhere [other than the Earth].
Baba: Who is coming? Who is coming?
Student: It is coming (being reported) in the news a lot.
Baba: *Arey*, it is also being reported on the news that your Father was like this, like that. ☺ Then? Then, how was it (truth) proved in the court? Various things are reported in the news. Are these news writers vicious human beings or vice less? You accept the versions of vicious people very quickly. The *Ever pure* Shivbaba has come. Nobody accepts His versions.

समयः 48.00-49.02

जिज्ञासुः बाबा, जो सीढ़ी का चित्र है उसमें त्रेता और द्वापर के बीच में ही भारत क्यों लिखा हुआ है?

बाबाः हाँ, त्रेता और द्वापर के बीच में भारत इसलिए लिखा है कि भा माने रोशनी। रत माने लगा रहने वाला। देवताओं में ज्ञान की रोशनी ज्यादा होती है या देवताएं जब असुर बनते हैं तब उनमें ज्ञान की रोशनी बाहर निकलती है? देवताओं में ज्ञान की रोशनी होती है या देवताएं जब द्वापरयुग से आसुरी जन्म लेते हैं तब उनमें ज्ञान की रोशनी ज्यादा निकलती है? (जिज्ञासु - तब ज्ञान की रोशनी ज्यादा निकलती है।) इसलिए भा माने रोशनी, और रत माने लगा रहने वाला। जब से देवताएं द्वापरयुग में उतरे तब से वो ज्ञान में, मनन-चिंतन-मंथन करने में, शास्त्रों में लग गए। इसलिए उसका नाम पड़ गया भारत। भा माने रोशनी। ज्ञान की रोशनी में, मनन-चिंतन-मंथन करने में लग गए।

Time: 48.00-49.02

Student: Baba, in the picture of the Ladder, why is the word '*Bharat'* written only between the Silver Age and the Copper Age?

Baba: Yes, '*Bharat*' is shown between the Silver Age and the Copper Age because '*Bhaa*' means light, '*rat*' means 'the one who remains engaged'. Is there more light of knowledge in the deities or do the deities emit more light when deities become demons? Do deities have the light of knowledge or do deities emit more light when their demoniac birth takes place from the Copper Age? (Student: it is then that they emit the light of knowledge.) This is why '*Bhaa*' means light and '*rat*' means 'the one who remains engaged'. Ever since the deities descended to the Copper Age, they became engaged in knowledge, in thinking and churning, in scriptures. This is why the name '*Bharat*' was coined. '*Bhaa'* means light. They became engaged the light of knowledge, in thinking and churning.

समयः 49.05-50.20

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है ये जो पार्टीशन है वो भी निकल जाएगा ।

बाबाः पार्टीशन?

जिज्ञासुः पार्टीशन भी निकल जाएगा।

बाबाः माना हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का?

जिज्ञासुः आज ब्राह्मणों की दुनियाँ में भी हिन्दुस्तान और पाकिस्तान का है तो वो एक हो जाएगा?

बाबाः यहाँ भी तो ऐसे ही है। एक तरफ है मुसलमानों का राज्य। वो कहते हैं अल्लाह-ओ-अकबर। किसी का ज्ञान मत सुनो। हमारी बात सुनो। तो मुसलमानों का राज्य है कि नहीं? पाकिस्तान है। वो अपने को पाक समझते हैं कि नापाक समझते हैं? क्या समझते हैं? वो अपने को समझते हैं हम बड़े पाक हैं। लेकिन हैं सन्यासी। अलग-अलग सन्यासी घर में रहे पड़े हैं, तब पवित्र रह सकेंगे? जैसे एडवांस पार्टी के लोग घर-गृहस्थ में रह करके ही नंबरवार पवित्र

रहते हैं, ऐसी पवित्रता वो लोग जीवन जी सकेंगे? (जिज्ञासु - नहीं।) नहीं जी सकते। तो पाक कौन हुए और नापाक कौन हुए? (जिज्ञासु - सन्यासी की बात हो गई।) हाँ।

Time: 49.05-50.20
Student: Baba, it has been said in the murli that this partition will also end.
Baba: Partition?
Student: The partition will end.
Baba: Do you mean the partition of Hindustan and Pakistan?
Student: Even in today's world of the Brahmins will Hindustan and Pakistan unite?
Baba: It is a similar case even here. On the one side is the kingdom of Muslims. They say Allah-O-Akbar. Do not listen to anyone's knowledge. Listen to me. So, is it a kingdom of Muslims or not? It is Pakistan. Do they consider themselves to be *paak* (pure) or *naapaak* (impure)? What do they consider themselves? They think they are very pure. But they are *sanyasis. Sanyasis* live in separate homes; will they be able to remain pure then? For example, people of the advance party remain pure number wise while leading a household life; will they (the *sanyasis*) be able to lead a pure life like this? (Student: No.) They cannot lead such life. So, who is *paak* (pure) and who is *naapaak* (impure)? (Student: this is like the *sanyasis*) Yes. ... (to be continued.)

Extracts-Part-7

समयः 50.25-51.50

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा, विष्णु, महेष हैं। उसमें ब्रह्मा और विष्णु का नहीं बचपन का फोटो। शंकर का ही क्यों? शंकर का फोटो बचपन का दिखाते सोते हुए।

बाबाः ब्रह्मा और विष्णु ये नौजवान ही दिखाए जाते हैं और शंकर जो है वो महात्मा बच्चा के रूप में दिखाया जाता है। शंकर नाम दो या संगमयुगी कृष्ण नाम दो बात एक ही हो जाती है। इसलिए मुरली में बोला है - नेक्स्ट टू गॉड इज कृष्ण, नेक्स्ट टू गॉड इज शंकर, नेक्स्ट टू गॉड इज प्रजापिता, नेक्स्ट टू गॉड इज नारायण। तो ये चारों जो नाम हैं वो एक के ऊपर हैं या अलग-अलग हैं? एक ही है। वो चारों ही जो पार्ट बजाने वाली आत्मा है वो एक ही है।

जिज्ञासुः दाढ़ी मूँछ वाला क्यों बताते हैं?

बाबाः दाढ़ी-मूँछ वाला पहले इसलिए दिखाते हैं कि विकारी है पहले। पुरुषार्थ करते-करते बाद में क्या बन जाता है? कौन? शंकर। निर्विकारी भी बन जाता है। दुनियाँ की ऐसी कोई बात नहीं जो तेरे ऊपर लागू न होती हो। तो ब्रह्मा है या नहीं है? प्रजापिता भी दाढ़ी मूँछ वाला ब्रह्मा है या नहीं है? वो भी है।

Time: 50.25-51.50
Student: Baba, there is Brahma, Vishnu and Mahesh. Among them the childhood photo of Brahma and Vishnu is not depicted. Why only Shankar's childhood photo is shown? Shankar is shown in sleeping posture in his childhood photo.
Baba: Brahma and Vishnu are shown to be only grown-up. And Shankar is shown like a *mahaatmaa* (great soul), a child. Call him Shankar or the Confluence Age Krishna; it is one and the same. This is why it has been said in the murli: next to God is Krishna, next to God is Shankar, next to God is Prajapita, next to God is Narayan. So, are all these four names based on

one or on separate personalities? It is one and the same. The soul who plays all the four parts is one and the same.
Student: Why is he shown to have beard and moustache?
Baba: He is shown to have beard and moustache at first because he is vicious initially. What does he become by making *purushaarth* later? Who? Shankar. He also becomes vice less. There is nothing in this world that does not apply to you. So, is he a Brahma or not? Is Prajapita also a Brahma with beard and moustache or not? He is that too.

समयः 53.35-54.23

जिज्ञासुः बाबा, याद में और योग में अंतर क्या है?

बाबाः बाबा तो मना करते हैं कि योग शब्द छोड़ दो, भूल जाओ। याद करो। याद वो चीज़ की जाती है जो पहले हमने कभी आँखों से देखी हो। उसकी याद आती है। जिसके संसर्ग संपर्क में पहले हम कभी आए हों वो याद आता है। इन्द्रियों से संपर्क में आए हैं, संबंध में आए हैं तो याद आता है। आँखों से देखा है तो याद आता है। मुख से बतियाए हैं तो याद आता है। कानों से सुना है तो याद आता है। अभी समझ में आ गया? उसको कहेंगे याद।

Time: 53.35-54.23
Student: Baba, what is the difference between remembrance (*yaad*) and yoga?
Baba: Baba says that you should leave, forget the word 'yoga'. Remember [the Father]. We remember something that we have already seen through our eyes. We remember that. Someone who has come in our contact and connection in the past is remembered. If someone has come in our contact and relationship through the *indriyaa*[9], he is remembered. If we have seen someone through the eyes, then he is remembered. If we have spoken to someone through the mouth, then he is remembered. If we have heard someone through the ears, then he is remembered. Did you understand now? That will be called remembrance.

समयः 54.26-56.07

जिज्ञासुः लव और कुश का क्या अर्थ निकलेगा ? मुरली में बोला ना।

बाबाः जो राम वाली आत्मा त्रेतायुग में क्षत्रिय धर्म की बताई गई है, उसके वास्तव में दो बच्चे हैं। लव और कुश। इस्लाम धर्म है लव और कुश है कांटा लगाने वाला। संसार को दुःख देने वाला। ये दो हैं मुखिया। लव और कुश। इस्लाम धर्म का बीज और क्रिश्चियन धर्म का बीज। इन दोनों का नाम पड़ा है लव और कुश।

Time: 54.26-56.07
Student: What will be the meaning of Luv and Kush? It has been said in the murli, hasn't it?
Baba: The soul of Ram, said to belong to *Kshatriya* (warrior) religion in the Silver Age has two children in reality: Luv and Kush. The Islam religion is Luv and Kush is the one who pricks with a thorn; the one who gives sorrow to the world. These two are the chiefs: Luv and Kush. The seed of the Islam religion and the seed of Christianity. These two have been named Luv and Kush.

[9] Parts of the body

जिज्ञासुः वो तो राम के बच्चे बताये हैं ना।

बाबाः हाँ राम के ही बच्चे हैं। और क्या शिव के बच्चे हैं? जो विधर्मियों की पैदाइश देह अभिमानी से होगी या आत्माभिमानी से होगी? जब तक राम वाली आत्मा संपन्न स्टेज नहीं धारण करती है तब तक बिच्छू टिण्डन पैदा हो रहे हैं या देवता पैदा हो रहे हैं? (जिज्ञासु - बिच्छू-टिण्डन।) पहला देवता कौन पैदा होगा? (जिज्ञासु: नारायण।) अरे! पहला देवता कौन पैदा होगा, पहला पत्ता? (जिज्ञासु - कृष्ण।) बस। वो जब तक उसकी पैदाइश नहीं होती है, जब तक कृष्ण रूपी बच्चे की पैदाइश, प्रत्यक्षता रूपी जन्म नहीं होता है तब तक ये इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन्स का फाउन्डेशन पड़ रहा है। बिच्छू-टिण्डन पैदा हो रहे हैं बिच्छू-टिण्डन। तुम क्या समझते हो कि हम देवता पैदा कर रहे हैं?

Student: They are said to be the children of Ram, haven't they?
Baba: Yes, they are indeed Ram's children. Are they Shiva's children? Will the *vidharmis*[10] be born through the body conscious ones or through the soul conscious ones? Until the soul of Ram attains the perfect stage, are scorpions and spiders being born or are deities being born? (Student: Scorpions and spiders.) Who will be the first deity to be born? (Student: Narayana.) Arey! Who will be the first deity to be born, the first leaf? (Student: Krishna.) That is all. Until he is born, until the Krishna like child is born, until his revelation like birth takes place, the *foundation* of the people of Islam, the Buddhists, the Christians is being laid. Scorpions and spiders are being born! Do you think that you are giving birth to deities? ☺

समयः 56.10-57.15

जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी-नारायण का जो चित्र है इसमें लक्ष्मी के पीछे नीला रंग का कपड़ा क्यों दिखाया और नारायण के पीछे लाल रंग का?

बाबाः नारायण क्रान्तिकारी है ना इसीलिए।

दूसरा जिज्ञासुः और लक्ष्मी के पीछे जो नीला रंग?

बाबाः अब लक्ष्मी हो या कोई भी देवी हो, देवी के पुजारी क्या हैं? देवी का पीछा करने वाले क्या हैं? अरे? असुर हैं। तो इसलिए नीला कपड़ा दिखाया गया है।

Time: 56.10-57.15
Student: Baba, in the picture of Lakshmi and Narayan, why is a blue colour cloth shown behind Lakshmi and why is a red colour cloth shown behind Narayan?
Baba: It is because Narayan is revolutionary, isn't he?
Another Student: And what about the blue colour cloth behind Lakshmi?
Baba: Well, whether it is Lakshmi or any other female deity (*devi*), what are the worshippers of female deities? What are those who pursue the female deities? *Arey*? They are demons. This is why blue cloth has been shown.

[10] Those whose beliefs and practices are opposite to that set by the Father

दूसरा जिज्ञासुः तो इसका मतलब क्या हुआ नीले का?
बाबाः ये ही मतलब। कपड़ा माने शरीर रूपी वस्त्र। जो लक्ष्मी का पीछा करने वाले हैं
दूसरा जिज्ञासु: हरा है।
बाबा: हाँ, वो हरा रंग हो, हरा रंग भी विषैला माना जाता है। नीला रंग भी विषैला माना जाता है।
जिज्ञासुः हरा रंग तो शान्ति का प्रतीक होता है ना।
बाबाः शान्ति का प्रतीक नहीं होता है। शान्ति का, झण्डे में 3 रंग हैं। हरा रंग नीचे हैं ब्रह्मा की ओर। तो शान्ति हो गई?
जिज्ञासुः व्हाइट है पवित्रता का।
बाबाः हाँ, जी।

Another Student: So, what is meant by the blue colour?
Baba: It means the same. Cloth means the cloth like body. Those who pursue Lakshmi ...
Another Student: It is green.
Baba: Yes, whether it is green colour; green colour is also considered to be poisonous. Blue colour is also believed to be poisonous.
Student: Green colour is symbolic of peace, isn't it?
Baba: It is not symbolic of peace. There are three colours in the flag. The green colour is below towards Brahma. So, was peace established?
Student: White is symbolic of purity.
Baba: Yes.

समयः 57.17-58.30
जिज्ञासुः बाबा, शिवरात्रि और महा शिवरात्रि में क्या अंतर है?
बाबाः शिवरात्रि है साधारण। जो शिवरात्रि मनाते चले आ रहे हैं भक्तिमार्ग की। और महाशिवरात्रि तब होगी जब बच्चे के द्वारा बाप प्रत्यक्ष हो जाएगा। 76 है शिवरात्रि। क्या? (जिज्ञासु - 76 है शिवरात्रि।) शिवरात्रि। और महाशिवरात्रि कब होगी? जब कि एडवांस पार्टी वाले भी घोर अज्ञान अंधकार में डूब जाएंगे और बेसिक वाले भी घोर अंधकार में डूब जाएंगे। और दुनियाँ तो घोर अंधकार में डूबी हुई है। तब कहेंगे महाशिवरात्रि।
दूसरा जिज्ञासुः ये तो नुकसानकारक है।
बाबाः तुम क्या समझते हो कि अभी तमोप्रधान हो रहे हैं या सतोप्रधान बन रहे हैं? अभी तमोप्रधान बन रहे हो या सतोप्रधान बन रहे? अभी और पतित बनते जा रहे या पावन बनते जा रहे? (जिज्ञासु - नहीं, नहीं, तमोप्रधान बनते जा रहे।) हाँ, शूटिंग अभी जो है वो तमोप्रधानता की ओर जा रही है। हमारी सिर्फ याद की प्रैक्टिस बढ़ रही है, बस। ये फायदा है।

Time: 57.17-58.30
Student: Baba, what is the difference between *Shivratri* and *Mahashivratri*?
Baba: *Shivratri* is ordinary. The *Shivratri* that is being celebrated in the path of *bhakti* and *Mahashivratri* will be celebrated when the Father is revealed through the child. 76 is *Shivratri.* What? (Student: 76 is *Shivratri.*) *Shivratri*. And when will *Mahashivratri* be celebrated? It is

when those who belong to the advance party sink in extreme darkness and those who follow the basic knowledge will also sink in extreme darkness and the world is already in extreme darkness. Then it will be called *Mahashivratri*.
Another Student: This is harmful.
Baba: What do you think, are you becoming *tamopradhaan* or *satopradhaan* now? Are you becoming *tamopradhaan* or *satopradhaan* now? Are you becoming more sinful or purer? (Student: No, no, we are going on becoming *tamopradhaan*.) Yes, the present shooting is going towards [the stage of being] *tamopradhaan*. Only our practice of remembrance is increasing. That is all. This is the benefit.

समयः 58.35-01.00.00

जिज्ञासुः बाबा, जिस गाड़ी में पैर रखेंगे वो चलेगी। इसका क्या अर्थ?

बाबाः जिस गाड़ी में पैर रखेंगे वो चलेगी?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है कि आखरी में एक गाड़ी चलेगी। इसलिए पूछ रहे हैं।

बाबाः क्या का क्या बना देते हैं! माना जैसे कराची में हिन्दुस्तान और पाकिस्तान का जब बंटवारा हुआ था तो कराची की ओर जो भी ट्रेनें चली थी या पाकिस्तान की ओर से जो भी ट्रेनें दिल्ली में चली थी, तो जो पहली ट्रेन चली, चाहे जहाँ से चली हो। चाहे पेशावर से चली हो, चाहे कराची से चली हो, दिल्ली की ओर, चाहे बंगलौर से चली हो, जो पहली ट्रेन चली वो तो बच गए और उसके बाद जो दूसरी ट्रेन निकली, सब काट डाले गए। ऐसे ही अंत में होगा अचानक। जिन बच्चों को ट्रंक कॉल आ जाएगा, जिनका बुद्धियोग होगा उनको ट्रंक कॉल आ जाएगा। चलो। और वो चल पड़ेंगे। और जो रह गए सो रह जाएंगे। फिर हिन्दुस्तान, हिन्दू मुसलमानों में ऐसी मारकाट होगी, ऐसा खून खराबा होगा, कट मरेंगे।

Time: 58.35-01.00.00
Student: Baba, the train in which we step in will start. What does it mean?
Baba: The train in which we step in will start?
Another student: It has been said in the murli that a train will start in the end. This is why he is asking.
Baba: You change the topic completely. It means that when the partition of India into Hindustan and Pakistan took place, then whichever train started towards Karachi or whichever train started from Pakistan to Delhi, so, the first train which started; let it be from whichever place. Whether it was from Peshawar or Karachi towards Delhi, whether it is from Bangalore; those who travelled by the first train were saved, and all those who travelled by the next train were killed. A similar thing will happen in the end suddenly. Those children who get the trunk call, those who will be connected [with Baba] through their intellect will get the trunk call: Let's go. And they will get going. And those who stay back will be left behind. Then such a massacre, bloodshed will take place between the Hindus and the Muslims that they will be killed. ... (to be continued.)

Extracts-Part-8

समयः 01.00.01-01.00.59

जिज्ञासुः बाबा, ओम राधे मम्मा बीच में आई, बीच में चली गई। परन्तु उनको जगदम्बा का टाइटल क्यों मिला?

बाबाः टाइटल मिलना अलग बात होती है। जैसे कोई स्कूल होता है, कालेज होता है, उसका प्रिंसिपल होता है। प्रिंसिपल एक साल के लिए, 2 साल के लिए छुट्टी चला जाता है, उसकी जगह कोई दूसरा प्रिंसिपल बना के बैठाया जाता है, तो उसको टाइटलधारी कहेंगे या ओरीजिनल कहेंगे? (जिज्ञासु - टाइटलधारी।) ऐसे ही ओम राधे जगदम्बा टाइटलधारी थी। ओरीजिनल जगदम्बा नहीं थी। ओरीजिनल जगदम्बा यज्ञ के आदि में भी थी जो मम्मा-बाबा को भी डायरेक्शन देती थी, ड्रिल कराती थी, टीचर बन करके बैठती थी। वो ही आदि वाली फिर अंत में प्रत्यक्ष होगी।

Time: 01.00.01-01.00.59
Student: Baba, Om Radhey Mamma came in between and left in between. But why did she get the title of Jagdamba?
Baba: Getting a *title* is a different thing. For example, in a *school*, in a *college*, there is a *principal*. The *principal* goes on leave for a year or two. Someone else is posted as a *principal* in his place. So, will he be called a *titleholder* or *original* [principle]? (Student: Titleholder.) Similarly, Om Radhey Jagdamba was *titleholder*. She wasn't the *original* Jagdamba. The *original* Jagdamba was in the beginning of the *yagya* as well. She used to give directions to Mamma Baba as well. She used to make them perform the *drill*; she used to sit as a *teacher*. The same one who was in the beginning will be revealed in the end.

समयः 01.01.05-01.01.40

जिज्ञासुः बाबा, प्रजापिता कुछ सालों बाद गुप्त में क्यों चले जाएंगे?

बाबाः ब्रह्मा बाबा गुप्त में क्यों चले गए? बच्चों की परीक्षा लेना चाहिए या नहीं लेना चाहिए? अरे सामने बैठे हैं तब तो कोई बड़ी बात नहीं। अपने को सुधार लेंगे। सामने न हो फिर भी अच्छा कार्य करके दिखाए, माला में नंबर लाके दिखाए तब बात है।

Time: 01.01.05-01.01.40
Student: Baba, why will Prajapita become hidden after some years?
Baba: Why did Brahma Baba become hidden (*gupt*)? Should the children be tested or not? *Arey*, when He is sitting in front of them, then it is not a big issue. They will reform themselves. If they perform a good task, get a [good] number (i.e. rank) in the rosary and prove themselves even if He is not in front of them, then it is an achievement.

समयः 01.03.10-01.03.40

जिज्ञासुः बाबा, भारत में भगवान को नाम से पुकारा जाता है। शिव भगवान कहा जाता है। लेकिन... शिव अल्लाह या शिव गॉड नहीं कहा जाता है। उसका कारण क्या है?

बाबाः गॉड फादर जो है साकार में आता है तब गॉड फादर बनता है या निराकार में रहता है तब गॉड फादर है? (सभी - साकार में।) यही कारण है।

Time: 01.03.10-01.03.40
Student: Baba, God is called by name in India. He is called Shiv *Bhagwaan*. He is not called Shiv Allah or Shiv God. What is the reason for that?
Baba: Does God the Father become God the Father when He comes in a corporeal form or is He God the Father when He is incorporeal? (Everyone said: In a corporeal form.) This is the reason.

समयः 01.03.45-01.06.40

जिज्ञासुः बाबा, कहते हैं कि मधुबन वालों को मधुबन छोड़ना पड़ेगा।

बाबाः कितनी बार बताई ये बात। और पूरी बात कह लो। हाँ, मधुबन वालों को मधुबन छोड़ना पड़ेगा।

जिज्ञासुः ज्ञान सरोवर वालों को ज्ञान सरोवर छोड़ना पड़ेगा।

बाबाः ज्ञान सरोवर वालों को ज्ञान सरोवर छोड़ना पड़ेगा। और? गीता पाठशाला वालों को गीता पाठशाला छोड़नी पड़ेगी। हाँ। प्रश्न क्या है? ये तो बाबा का महावाक्य हो गया। अब आपका प्रश्न क्या है?

जिज्ञासुः कैसे?

बाबाः कैसे होगा?

Time: 01.03.45-01.06.40
Student: Baba it is said that the residents of Madhuban will have to leave Madhuban.
Baba: This has been mentioned so many times. Complete the sentence. The residents of Madhuban will have to leave Madhuban.
Student: The residents of *Gyan Sarovar* will have to leave *Gyan Sarovar*.
Baba: The residents of *Gyan Sarovar* will have to leave *Gyan Sarovar*. And? The residents of *Gita Pathshala* will have to leave *Gita Pathshala*. Yes. What is the question? This is Baba's great version (*mahaavaakya*). Now what is your question?
Student: How?
Baba: How will it happen?

जिज्ञासुः शूटिंग?

बाबाः अभी तो बताया। जो बात बाप के जीवन में परीक्षा आई है वो परीक्षा बच्चों के जीवन में भी आवेगी। अखबार भी बोलेंगे। रेडियो भी बोलेंगे। टी.वी भी बोलेंगे। दुनियाँ, समाज, परिवार वाले सब कहेंगे ये भ्रष्टाचारी हैं, व्यभिचारी हैं, हत्यारे हैं और तोहमत लगाएंगे। तो घर में ही बैठे रहेंगे क्या? रहने नहीं देंगे घर में। फिर कौन याद आएगा? (जिज्ञासु - बाबा।) बाबा तो हो गया व्यक्ति। स्थान कौनसा याद आएगा? अभी तो परमधाम याद नहीं आता है। रोज़ बाबा चिल्लाते रहते हैं। अपने घर को याद करो, घर को याद करो। तो पहले निराकारी धाम याद आएगा या साकारी धाम याद आएगा? साकारी निराधाम कौनसा है? साकार में निराकारीधाम कौनसा है? (जिज्ञासु - बाबा की भ्रकुटि।) नहीं। बाबा की भ्रकुटि भी कहाँ बैठी होगी? अरे, पहले-पहले परमधाम में कौन प्रवेश करेगा? (जिज्ञासु - राम बाप।) फिर? तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। तो कहाँ होगा वो स्थान? कहाँ होगा? होगा कि नहीं होगा? (जिज्ञासु -

होगा।) कहाँ होगा? (जिज्ञासु - माउंट आबू।) माऊंट आबू होगा। तो कहाँ भागेगी बुद्धि फिर? जैसे यज्ञ के आदि में कराची में सबकी बुद्धि भागी थी और कराची भाग गए। ऐसे ही जो बाप के बच्चे होंगे वो कहाँ भागेंगे? उन्हें दुनियाँ में कहीं ठिकाना नहीं मिलेगा। एक शिवबाबा दूसरा न कोई।

Student: Shooting?
Baba: It was said just now. Whatever test the father has faced in his life, the children will also face the same in their life. The newspapers will speak, the radios will speak, the TVs will also speak. The world, the society, the family members, all will also say that these people are unrighteous, these people are adulterous, they are killers and they will defame [you]. So, will you continue to sit at home? They will not allow you to live at home. Then whom will you remember? (Student: Baba.) Baba is a person. Which place will you remember? Now you don't remember the Supreme Abode. Baba keeps on shouting every day: Remember your home; remember your home. So, will you remember the Incorporeal Abode first or will you remember the corporeal abode? Which is the corporeal Incorporeal Abode (*saakaari Niraadham*)? Which is the Incorporeal Abode in the corporeal form? (Student: Baba's *bhrikuti.*) No. Where will Baba's *bhrikuti*[11] also be sitting? *Arey*, who will enter the Supreme Abode first of all? (Student: Father Ram.) Then? You children will bring the Supreme Abode down to this world. So, where will that place be? Where will it be? Will it exist or not? (Student: it will.) Where will it exist? (Student: Mount Abu.) It will be Mount Abu. So, where will the intellect run? Just like everybody's intellect ran towards Karachi in the beginning of the *yagya* and they ran to Karachi. Similarly, where will the Father's children run? They will not get accommodation anywhere in the world. One Shivbaba and no one else.

समयः 01.06.55-01.08.10

जिज्ञासुः बाबा, भट्ठी करके एक साल हुआ। अहमदाबाद कब आएंगे? भट्ठी कर ली है हमने।

बाबाः भट्ठी कर ली?

जिज्ञासुः हाँ।

बाबाः तो तुरन्त दान महाकल्याण हो जाएगा तो अहमदाबाद आ जाएंगे।

जिज्ञासुः डेढ़ साल हो गए।

बाबाः डेढ़ साल हो गए? तो डेढ़ साल तुरंत दान महाकल्याण कहां हुआ? बाबा कहते हैं एक पतंगे ऐसे होते हैं कि आए, चक्कर काटा, दाढ़ी-मूँछ जली और भाग गए। एक पतंगे ऐसे होते हैं, आए, चक्कर काटा, फिर दाढ़ी-मूँछ जली, फिर भाग गए। एक ऐसे होते हैं कि आए, भट्ठी में गिरे, जलन महसूस हुई, लेकिन बड़ा मज़ा आया। ☺ स्वाहा। तो तीन तरह के पतंगे हैं। तुरंत दान महाकल्याण वाले कौनसे हुए? (जिज्ञासु ने कहा - जो स्वाहा हो जाये।) जो आए और स्वाहा हो गए। भट्ठी करके वापस जाने की बात ही नहीं। न एक साल, न डेढ़ साल, न दो साल, न चार साल। खेल खलास।

Time: 01.06.55-01.08.10

[11] middle of the forehead

Student: Baba, it has been one year since I did the *bhatti*. When will you come to Ahmedabad? I have completed the *bhatti*.
Baba: Have you completed the *bhatti*?
Student: Yes.
Baba: So, Baba will come to Ahmedabad if you follow '*turant daan mahaakalyaan'* (there is great benefit if you give donation as soon as you get the thought).
Student: It has been one and a half years.
Baba: Has it been one and a half years? So, one and a half years means that you did not follow '*turant daan mahaakalyaan'*? Baba says: one kind of fireflies (*patangey*) is such that they came, took a round, and as soon as their beard and moustache burns, they run away. One kind of fireflies is such that they came, took a round, their beard and moustache burnt again, and they run away once again. One [kind] is such that they came, did the *bhatti*, felt the burn, but they enjoyed it. ☺ They sacrificed themselves. So, there are three kinds of fireflies. Which ones followed the principle of '*turant daan mahaakalyaan'*? (Student: those who sacrificed themselves.) The ones who came and sacrificed themselves. There is no question of going back after doing the *bhatti*. Neither one year, nor one and a half years, neither two years, nor four years. The game ends there.

समयः 01.08.12-01.08.55

जिज्ञासुः बाबा, सूरत का मतलब क्या है सूरत का?

बाबाः सूरत। तुम्हारी सूरत दिखाई नहीं पड़ रही? ☺

जिज्ञासुः सूरत माने सूरत।

बाबाः हाँ। सूरत माने सूरत। ☺

जिज्ञासुः बेहद में क्या हुआ?

बाबाः एक होती है सूरत। और एक होती है सीरत। सीरत माने अंदर के कर्म। अंदर का स्वभाव-संस्कार। उसको कहते हैं सीरत और बाहर से जो दिखाई पड़ता है उसको बोला है मनुष्य की बाहरी आकृति, मन की एक प्रतिकृति है। माने इस आदमी के अंदर क्या भरा हुआ है वो उसकी सूरत से ही दिखाई पड़ता है। उसको कहते हैं सूरत।

Time: 01.08.12-01.08.55
Student: Baba, what is meant by Surat[12]?
Baba: Surat. Don't you see your *suurat* (face)? ☺
Student: *Surat* means face.
Baba: Yes. *Surat* means face. ☺
Student: What does it mean in an unlimited sense?
Baba: One is *suurat* (face). And one is *siirat* (character). *Siirat* means the inner acts, the inner nature and *sanskar.* That is called *siirat.* And whatever is visible from outside has been called the outer form of a human being is a reflection of the mind. It means that whatever is contained in a person's mind is visible from his very face. That is called Surat.

समयः 01.09.29-01.10.35

जिज्ञासुः बाबा हमने एक बात सुनी है माउंट आबू में।

[12] a city situated in Gujarat State of western India

बाबाः एक बात सुनी है। क्या भई क्या? ☺

जिज्ञासुः बाबा के लिए ऐसा सुना है कि डाक्टर ने बताया कि दूध जो खाते हैं तो दूध की कोई भी चीज़ खाते हैं तो शरीर में बहुत बढ़िया रोग फैला सकता है। इसलिए दूध खाना मना है। ऐसा सुना।

बाबाः आज की कौनसी दुनियाँ है, कौनसा युग है? कलियुग। कलियुग में जो भी चीज़ें मिल रही हैं, चाहे अनाज मिल रहा है, चाहे सब्जियाँ मिल रही हैं, चाहे फल मिल रहे हैं, कीड़े वाले मिल रहे हैं कि बिना कीड़े वाला मिल रहा है? (जिज्ञासु - कीड़े वाला।) आजकल जो भी गाय भैंस चल रही है, दूध दे रहे हैं, इन्जेक्शन लगाते हैं तब दूध आता है। वो दूध में कीड़े ही कीड़े भरे हुए हैं। इसलिए गलत नहीं कहा है। उससे तो अच्छा ये है कि घर में सोयाबीन ले आओ, भिगो दो, थोड़ा अंकुरित करो और उसका दूध निकाल के रोज़ पियो।

जिज्ञासुः मैंने ये सोचा कि क्या बाबा के लिए बोला है या हम बच्चों के लिये, सबके लिए?

बाबाः सबके लिए बोला है।

Time: 01.09.29-01.10.35

Student: Baba, I have heard something in Mount Abu.

Baba: You have heard something. What is it brother?☺

Student: I have heard for Baba that the doctor has said that the milk we consume or the milk products that we consume can cause a lot of diseases in the body. This is why consumption of milk is prohibited. I have heard this.

Baba: What kind of a world is it today? What kind of an Age is it today? The Iron Age. All the things that we get in the Iron Age, whether it is food grains, whether it is vegetables, whether it is fruits, are they infected with worms or are they uninfected? (Student: Infected ones.) Nowadays cows and buffaloes that are there and the milk that they produce; the milk is produced when they give them injections. That milk is full of microorganisms. This is why a wrong thing has not been said. Better way is to bring soya bean, soak it, sprout it, and then extract its milk and drink it every day.

Student: I thought whether is it said in respect of only Baba or in respect of us children, everyone as well?

Baba: It has been said for everyone. ... (concluded)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.